RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:280। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (सोमवार) 01 जून 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

एक और टीएमसी सांसद से मारपीट

●हुगली में कल्याण बनर्जी पर हमला; काले झंडे दिखाए, चोर-चोर के लगे नारे

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हुगली में हमला हुआ है। कल्याण बनर्जी आज टीएमसी कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए ज्ञापन देने गए थे। दावा किया गया है कि उसी दौरान उन पर हमला हुआ। गौरतलब है कि कल टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भी हमला हुआ था। सोनारपुर में चुनाव बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी के साथ धक्का मुक्की हुई और उनके कपड़े फाड़ दिए गए। इस दौरान उन पर अंडे फेंके गए और अभिषेक बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी की गई।

प्रदर्शनकारियों ने कल्याण बनर्जी के खिलाफ लगाए चोर-चोर के नारे-

कल्याण बनर्जी रविवार को हुगली के चंडीतला पुलिस स्टेशन में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्ञापन देने पहुंचे थे। इस दौरान उनका विरोध शुरू हो गया और प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कथित तौर पर उन पर हमला किया गया। जिससे उनके सिर में चोट आने का दावा किया गया है। कल्याण बनर्जी के खिलाफ भी चोर-चोर के नारे लगाए गए। हमले के बाद कल्याण बनर्जी अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालात को नियंत्रित किया।

कल्याण बनर्जी का आरोप, बोले- 'मुझ पर जानलेवा हमला किया गया'

हमले के बाद मीडिया से बात करते हुए कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया है कि चंडीतला थाना प्रभारी से मुलाकात करने और ज्ञापन सौंपने जाते समय उन पर हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह घटना उनकी हत्या की कोशिश थी। बनर्जी ने कहा, 'चंडीतला थाने के प्रभारी अधिकारी से मिलने और ज्ञापन देने के लिए मैं कार से जा रहा था। चंडीतला बाजार में भारी ट्रैफिक जाम होने के कारण मैं अपने पीएसओ के साथ चंडीतला क्रॉसिंग पर पैदल चल रहा था, जो चंडीतला थाने से लगभग 50 किलोमीटर दूर है।'

एमपी-यूपी, राजस्थान में गर्मी कम हुई

●पारा 40°C से नीचे, खराब मौसम से केदारनाथ यात्रा 3 घंटे रुकी रही

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा में पिछले 15 दिन से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली है। आंधी, बारिश और ओले गिरने से इन राज्यों में पारा 40°C से नीचे पहुंच गया है।

आज भी हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत 8 राज्यों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड में खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा 3 घंटे तक रुकी रही। हालांकि, देश के 36 शहरों में पारा 40°C से ज्यादा रहा। महाराष्ट्र के विदर्भ में तापमान अभी भी 44°C से ज्यादा है। यहां का चंद्रपुर (चांदा) 44.8°C तापमान के साथ देश में सबसे गर्म रहा। राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर,

बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में शनिवार दोपहर 3 बजे रेतीला तूफान आया। इसका असर करीब 200 वर्ग किलोमीटर के इलाके में रहा। इस रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी। बवंडर को पाकिस्तान की ओर से उठी तेज धूलभरी हवाओं ने रफ्तार दी थी। इस दौरान 56kmph की रफ्तार से आंधी चली।

रुद्रप्रयाग में खराब मौसम के चलते रोकी गई केदारनाथ यात्रा को करीब साढ़े तीन घंटे तक रोका गया था। सुबह 10 बजे यात्रियों को धाम की ओर जाने से रोक दिया गया था, लेकिन दोपहर 1:30 बजे मौसम में सुधार होते ही श्रद्धालुओं को आगे जाने की अनुमति दे दी गई।

●मौसम विभाग ने बताया कि मानसून 4 जून तक केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है।

दिल्ली में इमारत गिरने चार लोगों की मौत

●बम फटने जैसी आई आवाज, धूल-चीखें और मची अफरा-तफरी

एजेंसी

बेंगलुरू। दक्षिण दिल्ली के साकेत में इमारत गिरने के हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है, वहीं 10 घायल हो गए हैं। घायलों में तीन महिला और सात पुरुष हैं। वहीं पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मालिक को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है।

हादसा उस वक्त हुआ जब सातवीं मंजिल की छत ढालने की तैयारी हो रही थी। वेस्टर्न मार्ग स्थित गली नंबर-5 में हुई। हादसे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें इमारत भरभराकर गिरती नजर आ रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत एक कमर्शियल प्रॉपर्टी थी, जिसकी पहली और दूसरी मंजिल पर कई निजी कार्यालय थे। घटना के समय पास के एक प्लॉट पर बनी रसोई में कुछ मेडिकल छात्र मौजूद थे। जब इमारत का मलबा उस पर गिरा, जिससे रसोई भी ढह गई। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह तक दमकल विभाग, एनडीआरएफ,

डीडीएमए और स्थानीय पुलिस की मदद से मलबे से 14 लोगों को बाहर निकाला गया। सभी को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में से एक की पहचान 26 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। घायलों में आठ लोगों की पहचान गुरुग्राम के 26 साल के तरुण कुमार, बिहार की 27 साल की साइका खान, सैदुल्लाजाब की 25 साल की नीलम यादव, सैदुल्लाजाब के 24 साल के आदित्य शर्मा, नोएडा के 25 साल के क्षितिज प्रताप, साकेत के 25 साल के अनुज दीक्षित, सैदुल्लाजाब की 25 साल की आस्था और साकेत के 24 साल के विशाल के रूप में हुई है।

देश के तीसरे सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कार्यभार संभाला

●कहा- सशस्त्र बलों में बदलाव के लिए संगठनात्मक सुधार पर मुख्य फोकस होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के तौर पर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। नए सीडीएस ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पचक्र अर्पित किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों में बदलाव के लिए संगठनात्मक सुधार पर मुख्य फोकस होगा। आत्मनिर्भरता हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा केंद्रीय स्तंभ है। हम अपने सशस्त्र बलों के लिए स्वदेशी हथियारों का विकास करके उन्हें सेवा में तेजी से शामिल करेंगे। सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा, ''''चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का चार्ज संभालकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। आर्म्ड फोर्सेज पर दिखाए गए भरोसे के लिए हम देश के आभारी हैं। सोच और काम में इनोवेशन हमारी काबिलियत को बढ़ाएगा। मिलिट्री, इंडस्ट्री,

एकेडेमिया, स्टार्टअप्स और रिसर्च इकोसिस्टम के बीच ज्यादा सहयोग मॉडर्नाइजेशन के लिए मुख्य वजह होगा। हमारे सशस्त्र बलों ने हमारे देश के हितों की रक्षा करने में लगातार व्यावसायिकता और परिचालन फैसले लेने की क्षमता दिखाई है। हम अपने देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' उन्होंने पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान का इस सफर में उनके शानदार नेतृत्व और योगदान के लिए दिल से शुक्रिया अदा करते हुए कहा, ''हम अपने सैनिकों, नाविकों और एयर वॉरियर्स के साहस और व्यावसायिकता को मानते हैं। उनकी ट्रेनिंग और भलाई हमारी सबसे पहली प्राथमिकता होगी। हम उम्मीद करते हैं कि हम अपने उन बहादुरों को श्रद्धांजलि देंगे, जिनकी बहादुरी, बलिदान और देश के प्रति समर्पण हमें प्रेरणा देता रहता है। हम अपने वेटरन्स और वीर नारियों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने भारत के नागरिकों को भरोसा दिलाया कि सशस्त्र बल समर्पण, साहस, सम्मान और व्यावसायिकता के साथ देश की सेवा करते रहेंगे।''

●केंद्र सरकार ने 1 जनवरी, 2020 को तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीडीएस) का पद सृजित किया था।

मणिपुर के कांगपोकपी में फायरिंग और आगजनी, पांच घर जले

कांगपोकपी (मणिपुर)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के खराम वैफेई गांव के पास 30 मई को दोपहर करीब 1:45 बजे अज्ञात सशस्त्र बदमाशों द्वारा फायरिंग की घटना से इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने रविवार को जानकारी दी कि घटना के दौरान गांव के पांच कच्चे मकानों में आग लगा दी गई, जिससे वे पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया।सूचना मिलते ही जिला पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और संयुक्त अभियान चलाकर स्थिति को नियंत्रित किया। समय रहते कार्रवाई के कारण स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सका। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। इस बीच प्रशासन ने सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ पोस्टों और दावों को पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताया है। इनमें सुरक्षा बलों और जिला पुलिस अधीक्षक को लेकर किए गए दावों को गलत बताते हुए प्रशासन ने कहा कि ये बयान वास्तविक तथ्यों से मेल नहीं खाते।

विशाखापत्तनम में खड़ी लॉरी से टकराई आरटीसी बस, तीन की मौत, सात घायल

एजेंसी

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना जिले के गाजूवाका क्षेत्र की है। रविवार तड़के एक आरटीसी बस और सड़क किनारे खड़ी लॉरी के बीच टक्कर हो गई, इसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा श्रीनगर इलाके के पास रविवार सुबह 4 बजे हुआ। आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की एक बस सड़क पर खड़ी लॉरी से जा टकराई। हादसे में बस चालक और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सात अन्य यात्री घायल हो गए, जिन्हें विशाखापत्तनम के किंग जॉर्ज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि बस राजमहेंद्रवरम से विजयनगरम जिले के रामभद्रपुरम जा रही थी। बस में कुल 30 यात्री सवार थे। राहगीरों से सूचना मिलने के बाद गाजुवाका पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एपीएसआरटीसी की सुपर लग्जरी बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राज्य के परिवहन मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

देश के 27वें नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कार्यभार संभाला

●ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा स्तर बनाने का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 27वें नौसेना प्रमुख के तौर पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी जिन्दगी का हर दिन नौसेना को बेहतर, मजबूत, तेज और ज्यादा असरदार बनाने में लगाएंगे, ताकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास के हितों की सेवा कर सके। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी कि भारतीय नौसेना ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा लेवल बनाए रखे, ताकि वह देश की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा कर सके। उन्होंने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि ''भारतीय नौसेना संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिस पर मेरा मुख्य फोकस होगा। भारतीय नौसेना को दुनिया में सबसे बेहतरीन प्रोफेशनल माना जाता है इसलिए सभी कर्मचारियों की भलाई, व्यावसायिक प्रदर्शन और व्यक्तिगत विकास मेरे

लिए सबसे ज्यादा महत्व रखेंगे।' उन्होंने निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के लिए उनकी बहुत सराहनीय और शानदार सर्विस रही है और वे बहुत ही प्रभावी सीएनएस रहे हैं। उन्होंने अपने नेतृत्व में हर मोड़ पर नौसेना को अपने गाइडेंस और विजन का फायदा दिया है।

ममता बनर्जी पर अस्पताल के सीईओ को धमकाने का आरोप

भाजपा नेता ने साझा किया वीडियो

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता देबजीत सरकार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है।

उनका दावा है कि इस वीडियो में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए कोलकाता के मिंटो पार्क स्थित एक निजी अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को धमकाती हुई दिखाई और सुनाई दे रही हैं। देबजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल प्रमाणपत्र का भी हवाला

दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मेडिकल रिपोर्ट में कोई गंभीर चोट नहीं मिलने के बावजूद ममता बनर्जी अस्पताल प्रबंधन पर अभिषेक बनर्जी को भर्ती करने का दबाव बना रही थीं।

भाजपा नेता बोले- जनता के भरोसे को कमजोर कर रहीं

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, 'यह राजनीतिक मकसद से चिकित्सा संस्थानों के दुरुपयोग की चिंताजनक कोशिश है। अस्पतालों का काम मरीजों का इलाज उनकी चिकित्सीय जरूरत के आधार पर करना है, न कि राजनीतिक सुविधा के अनुसार। डॉक्टरों, प्रशासकों या स्वास्थ्य संस्थानों को डराने-धमकाने की कोई भी कोशिश जनता के भरोसे को कमजोर करती है और लोकतंत्र तथा सुशासन के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। '

सीबीएसई रिजल्ट विवाद पर छात्रों के साथ राहुल गांधी ने की चर्चा

●केंद्र सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई के छात्रों से मुलाकात की और हाल ही में रिजल्ट को लेकर चल रहे विवाद पर बातचीत की। छात्रों ने राहुल गांधी से अपनी समस्याओं को लेकर बात की और बताया कि जब उन्होंने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया तो किस तरह उन्हें ट्रोल किया गया। उन्हें देशद्रोही और देश का दुश्मन तक बताया गया। छात्रों के साथ बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, 'मेरे साथी 'राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंटों' के साथ एक खुलासा करने वाली बातचीत। वेदांत और उनके दोस्त प्रतिभाशाली, बहादुर युवा भारतीय हैं, जिन्होंने सीबीएसई और मोदी सरकार से सरल प्रश्न पूछे लेकिन जवाब के बजाय उन्हें अपमान मिला। वे एक

उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के हकदार हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें यह मिले। ' वीडियो में छात्र बताते हैं, 'लोगों ने मुझे देशद्रोही, पाकिस्तानी और डीप स्टेट एजेंट तक कह दिया।' एक छात्र ने बताया, 'जब मैंने अपनी फिजिक्स की उत्तर पुस्तिका देखी, तो मुझे लगा कि मेरा पेपर अच्छा हुआ था लेकिन नंबर अच्छे नहीं मिले। मैंने अपनी उत्तर पुस्तिका मांगी लेकिन मुझे पता चला कि यह मेरी कॉपी ही नहीं है। '

छात्र ने बताया कि इसके बाद उसने इस मुद्दे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उठाया। उसे लोगों का समर्थन मिला लेकिन जब बड़ी संख्या में लोगों ने उसका समर्थन किया, तो कुछ लोगों को लगा कि वे डीप स्टेट एजेंट हैं और भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। वे उन्हें सोरोस का एजेंट कहने लगे।

इस पर राहुल गांधी ने कहा, 'बीच में सोरोस आ गया, पाकिस्तान भी आ गया, हर कोई आ गया। यह तो पागलपन है। तुम लोगों ने कुछ किया भी नहीं।

समाचार और विचार में स्पष्ट अंतर जरूरी: उपराष्ट्रपति

●उपराष्ट्रपति ने कोट्टायम में दीपिका मलयालम दैनिक के 140वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया

एजेंसी

कोट्टायम (केरल)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने केरल में दीपिका मलयालम दैनिक के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पत्रकारिता में समाचार और विचार के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखने की आवश्यकता को बताते हुए कहा कि संपादकीय विचार व्यक्त करने का स्थान है, जबकि समाचारों को तथ्यपरक और निष्पक्ष रहना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने रविवार को केरल के कोट्टायम में दीपिका मलयालम दैनिक के 140वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और इस अवसर पर दीपिका एक्सीलेंस अवॉर्ड्स प्रदान किए। उपराष्ट्रपति ने दीपिका के 140 वर्षों के सफर को समर्पण, साहस, विश्वसनीयता और जनसेवा की उल्लेखनीय विरासत बताया। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी में सीमित संसाधनों के बावजूद एक समाचार

पत्र की शुरुआत अत्यंत चुनौतीपूर्ण और साहसिक कार्य था।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का धर्म है अच्छे कार्यों की सराहना करना और गलत कार्यों की निष्पक्ष आलोचना करना। रचनात्मक पत्रकारिता समाज को प्रेरित करती है और राष्ट्र निर्माण को मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों की जिम्मेदारी केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें उम्मीद, नवाचार, करुणा और वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ी सकारात्मक कहानियों को भी सामने लाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के डिजिटल युग में फेक न्यूज, व्यावसायिक दबाव और त्वरित सूचना प्रवाह जैसी चुनौतियां बढ़ी हैं, जिससे मीडिया की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। दीपिका आने वाले समय में भी पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी के पत्रकारों को प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री वीडी सतीसन, विधानसभा अध्यक्ष सहित कई लोग उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति ने कर्नाटक के बेल्थंगडी में सीरी मातृश्री इंडस्ट्रियल पार्क का किया उद्घाटन

पराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्थंगडी स्थित सीरी मातृश्री इंडस्ट्रियल पार्क का उद्घाटन किया। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, उद्घाटन समारोह में उन्होंने कहा कि समृद्ध ग्रामीण भारत का सपना सीरी जैसे संस्थानों के माध्यम से साकार हो सकता है, जिन्होंने महिलाओं और ग्रामीण परिवारों को रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर देकर सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता हमेशा सभी धर्मों का सम्मान करती रही है और भक्ति, किसी भी धर्म से जुड़ी हो, सामाजिक सद्भाव और नैतिक शक्ति को मजबूत करती है। सभी धर्मों का समान सम्मान होना चाहिए लेकिन किसी भी प्रकार का बलपूर्वक धर्मांतरण प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सीरी संस्थान के संस्थापक डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए एक संदेश है।

बालाजी वेफर्स की दादागिरी या सिस्टम की मिलीभगत

जहरीले केमिकल वाले पानी से 12 गांव तबाह

राजकोट के पास फैक्ट्री से नदियों में छोड़ा जा रहा लाखों लीटर प्रदूषित पानी, किसान और पशुपालक बेहाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। जिस ब्रांड के वेफर्स देशभर में लोग स्वाद लेकर खाते हैं, उसी ब्रांड के पीछे छिपा एक खौफनाक और जहरीला सच अब सामने आने लगा है। राजकोट के पास स्थित प्रसिद्ध बालाजी वेफर्स फैक्ट्री पर गंभीर आरोप लगे हैं कि वहां से रोजाना लाखों लीटर केमिकलयुक्त और जहरीला पानी खुलेआम नदी-नालों में छोड़ा जा रहा है। इस प्रदूषण ने आसपास के ग्रामीण इलाकों की जिंदगी को बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया है। कभी जीवनदायिनी मानी जाने वाली नदियां अब जहरीले नाले बन चुकी हैं। यह सिर्फ पर्यावरण प्रदूषण नहीं, बल्कि इंसानों, पशुओं और खेती के खिलाफ एक गंभीर अपराध बताया जा रहा है।

12 गांवों में तबाही का मंजर

फैक्ट्री के आसपास बसे करीब 12 गांवों के हजारों किसान और पशुपालक इस जहरीले पानी के कारण भारी संकट झेल रहे हैं। खेती बर्बाद, जमीनें हुई बंजर ग्रामीणों का आरोप है कि केमिकलयुक्त पानी भूजल और कुओं में मिल रहा है, जिससे खेतों की उपजाऊ शक्ति खत्म होती जा रही है। कई किसानों की फसलें जलकर खराब हो चुकी हैं और खेत बंजर बनने लगे हैं। पशुधन पर मौत का साया प्रदूषित पानी पीने से मवेशियों की मौत के मामले सामने आने का दावा किया जा रहा है। पशुपालकों की आजीविका पर इसका गहरा असर पड़ा है। बीमारियों का बढ़ता खतरा स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में चर्म रोग, किडनी संबंधी बीमारियां और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। गांवों में डर और आक्रोश दोनों का माहौल है।

प्रशासन आखिर क्यों खामोश?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी गंभीर शिकायतों के बावजूद गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय प्रशासन आखिर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा? ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायतें और ज्ञापन देने के बावजूद जिम्मेदार विभागों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सवाल उठ रहे हैं कि क्या बड़ी कंपनियों के दबाव में प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है?

जनता का फूटा गुस्सा

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रदूषण रोकने के लिए कार्रवाई नहीं हुई, तो बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। किसानों का कहना है कि विकास के नाम पर उनकी जमीन, पानी और जिंदगी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

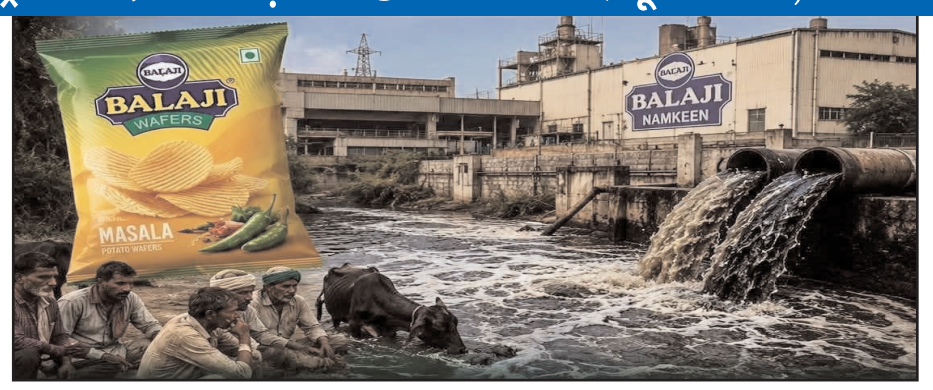

'अन्नदाता को न्याय कब? '

यह मामला अब सिर्फ पर्यावरण का नहीं, बल्कि हजारों लोगों के भविष्य और स्वास्थ्य का सवाल बन चुका है। गांवों में एक ही आवाज उठ रही है – 'क्या बड़ी कंपनियों के सामने आम जनता की जिंदगी की कोई कीमत नहीं? 'जब तक प्रभावित लोगों को न्याय नहीं मिलता, तब तक यह मुद्दा गर्म रहने वाला है।

कचलधारा गांव में प्रस्तावित GIDC के खिलाफ गांववालों का विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। जिले के गोविंद गुरु लिमडी तालुका के कचलधारा गांव में प्रस्तावित GIDC (गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) को लेकर गांववालों में बहुत नाराज़गी और गुस्सा है। GIDC के लिए ज़मीन अधिग्रहण और सर्वे की प्रक्रिया शुरू होने की चर्चा के बीच, गांव में एक खास ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं समेत बड़ी संख्या में गांववाले शामिल हुए और एकमत होकर प्रस्तावित GIDC का विरोध किया। मिली जानकारी के मुताबिक, GIDC के लिए गांव के सर्वे नंबर-32 की सरकारी बंजर ज़मीन का शुरुआती सर्वे किया जा चुका है। हालांकि, गांववालों का कहना है कि यह काम शुरू करने से पहले गांव की ग्राम सभा या स्थानीय लोगों से कोई इजाज़त नहीं ली गई। जिससे लोगों में बहुत नाराज़गी है। गांववालों ने कहा कि दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर रूट के लिए आदिवासी किसानों की बड़ी संख्या में ज़मीनें ली गईं। बाद में एयरपोर्ट के लिए भी ज़मीनें दी गईं। अब जब बची हुई ज़मीन पर तद्धष्ष्ट बनाने का प्रोसेस चल रहा है, तो स्थानीय लोग भविष्य को लेकर परेशान हैं। ग्राम सभा में मौजूद लोगों ने कहा कि डेवलपमेंट के नाम पर बार-बार ज़मीनें लेने का सीधा असर आदिवासी समुदाय की लाइफस्टाइल और खेती पर आधारित इकॉनमी पर पड़ रहा है। आरोप है कि ज़मीन जाने के बाद रोज़गार और पुनर्वास के मुद्दे भी बने हुए हैं। ग्राम सभा में गांववालों ने PESA एक्ट का ज़िक्र करते हुए कहा कि शेड्यूल्ड ट्राइबल एरिया में कोई भी प्रोजेक्ट, इंडस्ट्री या डेवलपमेंट प्लान लागू करने से पहले ग्राम सभा की मंजूरी लेना कानूनी तौर पर ज़रूरी है। यह भी साफ़ किया गया कि स्थानीय लोगों की राय और हितों को नज़रअंदाज़ करके लिए गए फ़ैसले मंजूर नहीं हैं। गांववालों का कहना है कि इस बारे में कोई साफ़ जानकारी नहीं है कि प्रस्तावित GIDC से स्थानीय युवाओं को रोज़गार मिलेगा या नहीं, जबकि बाहर से आने वाले लोगों और इंडस्ट्री को इससे ज़्यादा फ़ायदा होने की संभावना है।

उत्तराखंड की बेटी मीरा कुलकर्णी का कमालः महज 2 लाख रुपये से शुरू कर खड़ा किया 8300 करोड़ का आयुर्वेदिक स्किनकेयर ब्रांड!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

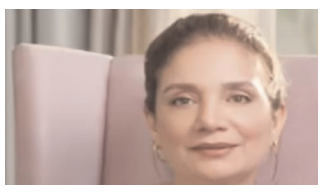

उत्तराखंड । जब हौसले बुलंद हों और अपने टैलेंट पर भरोसा हो, तो कामयाबी कदम चूमती है। इस बात को सच साबित कर दिखाया है उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल की रहने वाली मीरा कुलकर्णी ने। मीरा कुलकर्णी ने अपनी कड़ी मेहनत और बिजनेस सूझबूझ के बल पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। उन्होंने महज 2 लाख रुपये की पूंजी से शुरुआत करके आज 8,300 करोड़ रुपये का आयुर्वेदिक स्किनकेयर साम्राज्य खड़ा कर दिया है। मीरा कुलकर्णी के इस मशहूर ब्रांड का नाम फॉरेस्ट एसेंशियल्स है, जो आज देश और दुनिया के सबसे प्रीमियम और भरोसेमंद आयुर्वेदिक स्किनकेयर ब्रांड्स में से एक माना जाता है। पहाड़ की एक साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है।

2 लाख रुपये से 8300 करोड़ तक का सफरः

मीरा कुलकर्णी की इस सफलता के पीछे उनकी सालों की तपस्या और भारतीय आयुर्वेद के प्रति उनका गहरा विश्वास है। उन्होंने जब इस कंपनी की शुरुआत की थी, तब उनके पास बहुत बड़ी पूंजी नहीं थी। केवल 2 लाख रुपये के छोटे से निवेश के साथ उन्होंने शुद्ध और पारंपरिक तरीके से आयुर्वेदिक उत्पाद बनाने शुरू किए। शुरुआत में उन्होंने हाथ से बने साबुन और मोमबत्तियां बनाना शुरू किया था, जिसकी शुद्धता ने धीरे-धीरे लोगों का दिल जीत लिया। मीरा ने आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक पैकेजिंग और जरूरत के साथ ऐसे पेश किया कि देखते ही देखते उनका ब्रांड बड़े-बड़े होटलों, महलों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली पसंद बन गया। आज फॉरेस्ट एसेंशियल्स के उत्पाद दुनिया के कई देशों में बेचे जाते हैं।

महानगर मेट्रो का नज़रिया

मीरा कुलकर्णी की यह कामयाबी सिर्फ एक बिजनेस की सफलता नहीं है, बल्कि यह उन तमाम महिलाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है जो अपने दम पर कुछ करना चाहती हैं। उन्होंने साबित कर दिया कि अगर आपके पास सही विजन और मेहनत करने का जज्बा है, तो संसाधनों की कमी कभी आपके रास्ते का रोड़ा नहीं बन सकती। महानगर मेट्रो देश की इस कामयाब बेटी के जज्बे को सलाम करता है, जिन्होंने भारतीय आयुर्वेद का डंका पूरी दुनिया में बजाया है।

पालनपुर-अंबाजी हाईवे पर पुलिस-TRB कर्मियों और ट्रक ड्राइवर के बीच तीखी लड़ाईः वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर। एक बार फिर, बनासकांठा ज़िले के बिज़ी पालनपुर-अंबाजी हाईवे पर खाकी वर्दी वाले ड्राइवर और गाड़ी वाले के बीच हाथापाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हाईवे पर ट्रैफिक पुलिस पोस्ट के अंदर, मेमो फाड़ने और लाइसेंस चेक करने को लेकर एक ट्रक ड्राइवर और पुलिस और TRB कर्मियों के बीच तीखी लड़ाई सामने आई है। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल होते ही ट्रैफिक पुलिस के काम पर सवाल उठ रहे हैं।

ड्राइवर की ऑनलाइन लाइसेंस वैलिड रखने की रिक्वेस्ट, सिस्टम ओरिजिनल पर ज़ोर

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक ट्रक ड्राइवर ट्रैफिक पुलिस पोस्ट के अंदर अपने मोबाइल पर अपना ऑनलाइन (डिजिटल) लाइसेंस दिखा रहा है और उसे कानूनी तौर पर वैलिड रखने के लिए कह रहा है। हालांकि सरकारी नियमों के हिसाब से डिजिटल डॉक्यूमेंट्स वैलिड हैं, लेकिन वहां मौजूद TRB और पुलिस वाले उससे 'ओरिजिनल' फिजिकल लाइसेंस मांग रहे हैं। इतना ही नहीं, ओरिजिनल लाइसेंस न होने के बहाने उससे फाइन वसूलने की बात हो रही है, यानी मेमो फाड़ने की बात हो रही है, जिससे दोनों पार्टियों के बीच गरमागरम बहस हो गई। ट्रक ड्राइवर का आरोप है कि उसकी गाड़ी में लदा सारा सामान रेगुलर है, कोई ओवरलोडिंग नहीं है और सामान को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल भी ठीक से बंधा हुआ है। सारे कागज़ात और पॉलिसी और नियम मानने के बावजूद, उसे हाईवे पर रोककर ट्रैफिक चेकपॉइंट पर लाया जा रहा है और परेशान किया जा रहा है। ड्राइवर ने वीडियो में अपना गुस्सा निकाला और कहा कि पुलिस सिर्फ़ जुर्माना वसूलने के इरादे से इस तरह की परेशान कर रही है। फ़िलहाल, इस वायरल वीडियो के बाद, ट्रक ड्राइवरों और स्थानीय लोगों में ट्रैफिक पुलिस और TRB कर्मियों के वसूली वाले रवैये के खिलाफ़ काफ़ी गुस्सा है।

तारापुर पुलिस का बड़ा एक्शनः प्रतिबंधित नशीली दवाओं के साथ दो तस्कर गिरफ्तार,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। नशीले पदार्थों और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। आणंद जिले की तारापुर थाना पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए प्रतिबंधित नशीली दवाओं (सिरप/गोली) की तस्करी कर रहे दो शातिर तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से प्रतिबंधित दवाओं का जखीरा और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन सहित कुल 4.73 लाख रुपये का माल-सामान (मुद्दामाल) जब्त किया है। इस कार्रवाई से इलाके के ड्रग माफियाओं में हड़कंप मच गया है। तारापुर पुलिस को सटीक मुखबिर से सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित नशीली दवाओं की एक बड़ी खेप को तस्करी के जरिए इलाके में खपाने की तैयारी चल रही है। सूचना मिलते ही तारापुर पुलिस की टीम ने तुरंत हरकत में आते हुए निर्दिष्ट स्थान पर घेराबंदी की।

जैसे ही संदिग्ध आरोपी वहां पहुंचे, पुलिस ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में सरकार द्वारा प्रतिबंधित की गई नशीली दवाएं बरामद हुई, जिनका इस्तेमाल युवा नशे के तौर पर करते हैं। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से प्रतिबंधित दवाएं, मोबाइल फोन और परिवहन के लिए उपयोग में ली जा रही गाड़ी को कब्जे में ले लिया है। जब्त किए गए पूरे मुद्दामाल की कुल कीमत 4.73 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नशे के नेटवर्क को खंगाल रही है पुलिस

शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि ये दवाएं युवाओं और छात्रों को ऊंचे दामों पर बेचने के लिए लाई गई थीं। तारापुर पुलिस अब इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि तस्करों को इन प्रतिबंधित दवाओं की सप्लाई कहां से हुई थी और वे इसे आगे किन-किन लोगों को बेचने वाले थे। पुलिस को आशंका है कि इस रैकेट के तार अंतर-जिला या अंतर-राज्यीय नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं, जिसके मुख्य सरगना तक पहुंचने के लिए आरोपियों को रिमांड पर लेने की प्रक्रिया जारी है।

कलोल विधानसभा MLA के जन्मदिन के मौके पर कार्यकर्ताओं द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यक्रम कैंसिल करने की अपील की गई है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेली। कलोल विधानसभा स्रू फतेसिंह चौहान ने अपने जन्मदिन के मौके पर कार्यकर्ताओं द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यक्रम कैंसिल करने की अपील की है। सुरेली गांव के सरपंच स्वर्गीय भरत सिंह चौहान के असमय निधन से पूरा इलाका शोक में है। ऐसे दुखद हालात में, कल उनके जन्मदिन के मौके पर कार्यकर्ताओं द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यक्रम कैंसिल कर दिए गए हैं। उनके जन्मदिन के सभी कार्यक्रम टाल दिए गए हैं, और स्वर्गीय भरत सिंह चौहान को दिल से श्रद्धांजलि देने के लिए, सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे अपने इलाके के मंदिरों में पूजा-पाठ करें और उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें। साथ ही, सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे कल उनके घर या किसी दूसरी जगह पर उनसे मिलकर उन्हें बधाई दें। या किसी भी तरह का जश्न का कार्यक्रम न करें। सोशल मीडिया पर अपील करते हुए स्रू फतेह सिंह चौहान ने दिवंगत भरत सिंह चौहान को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

दिल्ली में दर्दनाक हादसाः 5 मंजिला इमारत ताश के पत्तों की तरह ढही, 4 लोगों की मौत, 10 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर अवैध निर्माण या जर्जर निर्माण ने मासूमों की जान ले ली है। दिल्ली के एक व्यस्त इलाके में एक पांच मंजिला इमारत अचानक भरभराकर जमींदोज हो गई। इस भीषण हादसे में अब तक चार लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम युद्ध स्तर पर शुरू किया। एम्स ट्रामा सेंटर में घायलों का इलाज, 3 की हालत नाजुक मलबे से निकाले गए सभी घायलों को तुरंत दिल्ली के एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों में से तीन लोगों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिन्हें आईसीयू में लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है। अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों की विशेष टीम घायलों की जान बचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। 12 लोगों को मलबे से सुरक्षित निकाला गया हादसे के तुरंत बाद शुरू हुए रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मलबे के नीचे दबे 12 लोगों को राहत कर्मियों ने सूझबूझ और कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। स्थानीय चश्मदीदों के अनुसार, इमारत गिरने की आवाज इतनी तेज थी जैसे कोई बड़ा धमाका हुआ हो। देखते ही देखते पूरी पांच मंजिला इमारत मलबे के ढेर में तब्दील हो गई, जिससे आसपास की गाड़ियों और दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। इस हादसे ने एक बार फिर दिल्ली में रिहायशी इलाकों में बनी बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा और नगर निगम के दावों की पोल खोल दी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इमारत के जर्जर होने या फिर बेसमेंट में बिना अनुमति के किए जा रहे किसी निर्माण कार्य को इस हादसे की वजह माना जा रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इमारत के मालिक और ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली सरकार ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घटना के उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

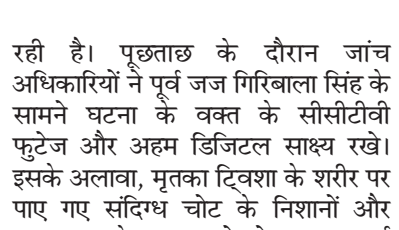

विशा केसः CBI के तीखे सवालों से घबराईं पूर्व जज गिरिबाला सिंह, तबीयत बिगड़ने की शिकायत की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। बहुचर्चित और रहस्यमयी ट्विशा मौत मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो के शिकंजे में अब पूर्व जज घिरती नजर आ रही हैं। मामले में मुख्य संदिग्ध और पूर्व जज गिरिबाला सिंह से जब सीबीआई की टीम ने आमने-सामने बिठाकर तीखे सवाल पूछे, तो वह पूरी तरह से असहज और घबरा गईं। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान सीबीआई के कानूनी और तकनीकी सवालों की बौछार से घबराईं पूर्व जज ने अचानक तबीयत बिगड़ने और घबराहट होने की शिकायत की, जिसके बाद कुछ समय के लिए पूछताछ को रोकना पड़ा। सीसीटीवी फुटेज और चोट के निशानों पर घिरीं पूर्व सीबीआई की टीम इस मामले में हर एक वैज्ञानिक और डिजिटल सबूत को खंगाल रही है। पूछताछ के दौरान जांच अधिकारियों ने पूर्व जज गिरिबाला सिंह के सामने घटना के वक्त के सीसीटीवी फुटेज और अहम डिजिटल साक्ष्य रखे। इसके अलावा, मृतका ट्विशा के शरीर पर पाए गए संदिग्ध चोट के निशानों और घटनाक्रम के समय को लेकर जब पूर्व जज से सीधा जवाब मांगा गया, तो वह कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दे सकीं। सीबीआई सूत्रों का कहना है कि इन दोनों ही अहम बिंदुओं पर पूर्व जज के बयानों में काफी विरोधाभास देखने को मिला है। घबराहट की शिकायत, गवाहों के बयानों को पूर्व जज के सामने रखकर कड़ाई से पूछताछ शुरू की, उन्होंने अत्यधिक घबराहट होने की बात कही। इसके बाद मौके पर डॉक्टर को बुलाकर उनकी जांच करानी पड़ी। जानकारों का मानना है कि यह जांच की दिशा को भटकाने या वक्त लेने की एक रणनीति भी हो सकती है, लेकिन सीबीआई की टीम बेहद फूंक-फूंक कर कदम रख रही है और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जा रही है। ट्विशा केस को लेकर सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक इंसाफ की मांग उठ रही है। एक पूर्व जज का नाम इस मामले से जुड़े होने के कारण जांच एजेंसी बेहद सावधानी से पुख्ता सबूत जुटाने में लगी है। सीसीटीवी फुटेज से मिले सुराग और शरीर पर चोट के निशान इस बात की ओर साफ इशारा कर रहे हैं कि दाल में कुछ काला है। अब देखना यह होगा कि घबराहट का हवाला देकर सवालों से बच रहीं पूर्व जज गिरिबाला सिंह को सीबीआई अगली पूछताछ में किस तरह घेरती है और ट्विशा को कब तक न्याय मिलता है।

खोडियार डैम में तैरता मिला अज्ञात शवः हत्या या हादसा? गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। अमरेली जिला अंतर्गत धारी में स्थित प्रसिद्ध खोडियार डैम से एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। डैम के गहरे पानी में एक शव को तैरता देख स्थानीय लोगों के होश उड़ गए, जिसके बाद तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की आला टीमें और गोताखोर मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। शव मिलने के बाद से ही इलाके में यह चर्चा तेज हो गई है कि यह महज एक हादसा है, आत्महत्या है या फिर इसके पीछे किसी गहरी साजिश और हत्या की बू आ रही है। शव की शिनाख्त बड़ी चुनौती, पुलिस खंगाल रही मिसिंग रिपोट पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शव काफी समय तक पानी में रहने के कारण थोड़ा क्षत-विक्षत हो चुका है, जिससे उसकी उम्र और पहचान का अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने आस-पास के सभी थानों को सूचित कर दिया है और पिछले कुछ दिनों में दर्ज हुई गुमशुदगी (मिसिंग) की रिपोर्टों को खंगाला जा रहा है, ताकि मृतक की पहचान जल्द से जल्द की जा सके। खोडियार डैम से शव मिलने के बाद पुलिस हर एंगल से मामले की तफ्तीश कर रही हैः हादसा या आत्महत्याः क्या मृतक गलती से डैम के गहरे पानी में गिरा या फिर उसने आर्थिक-पारिवारिक तंगी के कारण आत्मघाती कदम उठाया? हत्या की आशंकाः क्या किसी अन्य स्थान पर हत्या करने के बाद सबूत मिटाने के इरादे से शव को खोडियार डैम के पानी में फेंक दिया गया पुलिस ने पंचनामा करने के बाद शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है। जांच अधिकारियों का कहना है कि यह मामला पूरी तरह से पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिका हुआ है।

महुआ मोइत्रा ने तस्वीरें जारी कर BJP को घेरा, शाह के साथ दिखी आरोपी महिला!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हिंसक टकराव और आरोपों-प्रत्यारोपों का दौर तेज हो गया है। तृणमूल कांग्रेस (ञ्जस्ष्ट) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले को लेकर सूबे का सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस हमले की चौतरफा निंदा के बीच, टीएमसी की फायरब्रांड सांसद महुआ मोइत्रा ने सीधे भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है और कुछ ऐसी तस्वीरें सार्वजनिक की हैं, जिसने इस पूरे मामले में घी का काम किया है। महुआ का 'एक्स' पर धमाकाः गृह मंत्री के साथ दिखी महिला कार्यकर्ता टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने अपने आधिकारिक 'एक्स' (ट्विटर) हैंडल से हमले के वक्त की कुछ तस्वीरें और वीडियो स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में महुआ ने भीड़ में शामिल एक महिला के चेहरे को हाइलाइट किया है। महुआ मोइत्रा का दावा है कि अभिषेक बनर्जी पर हमला करने वाली भीड़ में यह महिला सबसे आगे थी और वह कोई आम नागरिक नहीं बल्कि बीजेपी की सक्रिय कार्यकर्ता है। अपने दावों को मजबूत करने के लिए महुआ मोइत्रा ने उसी महिला की कुछ अन्य तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वह महिला देश के गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल बीजेपी की वरिष्ठ नेता व विधायक अग्निमित्रा पॉल के साथ बेहद करीब खड़ी नजर आ रही है। 'बीजेपी कर रही है जंगली और गंदी राजनीति तस्वीरें साझा करते हुए महुआ मोइत्रा ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लिखा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से 'जंगली' और 'गंदी' राजनीति पर उतर आई है। टीएमसी का आरोप है कि राजनीतिक रूप से मुकाबला न कर पाने की वजह से बीजेपी अब उनके शीर्ष नेताओं पर शारीरिक हमले करवा रही है और बंगाल के माहौल को बिगाड़ने की साजिश रची जा रही है। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने टीएमसी और महुआ मोइत्रा के इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। बीजेपी प्रवक्ताओं का कहना है कि किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नेताओं के साथ तस्वीर खिंचवाने से कोई हमलावर साबित नहीं हो जाता। बीजेपी ने आरोप लगाया कि टीएमसी अपनी अंदरूनी कलह और जनता के गुस्से से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रही है। फिलहाल, इस घटना के बाद पूरे बंगाल में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। लेकिन इस सियासी घमासान ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में बंगाल की राजनीति और अधिक आक्रामक होने वाली है।

शराब तस्कर किशोर सिंह लंगड़ा और उसके बेटे के खिलाफ 307: शादी की बारात में हवा में फायरिंग,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शराब तस्कर किशोर लंगड़ा और उसके बेटे समेत कुल 6 आरोपियों ने गुजरात हाई कोर्ट में अर्जी दी थी। उनके खिलाफ साल 2015 में शाहीबाग पुलिस स्टेशन में पुलिस कंप्लेंट दर्ज हुई थी। 16 फरवरी 2015 को उनके खिलाफ एक शादी फंक्शन में रिवॉल्वर और पिस्टल से हवा में फायरिंग करने का जुर्म दर्ज किया गया था। आरोपियों पर आर्म्स एक्ट की धाराओं के अलावा IPC 307- हत्या की कोशिश के तहत आरोप लगाए गए थे। सिर्फ बिना इरादे के हवा में फायरिंग करना हत्या की कोशिश का जुर्म नहीं बनता ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों की तरफ से फाइल की गई डिस्चार्ज एप्लीकेशन खारिज कर दी थी। इस ऑर्डर के खिलाफ पिटीशनर्स ने हाई कोर्ट में रिवीजन पिटीशन फाइल की थी। हाई कोर्ट ने कहा कि आरोपी शादी में हवा में फायरिंग करने के दोषी हैं, लेकिन किसी को चोट पहुंचाने के इरादे के बिना सिर्फ हवा में फायरिंग करना हत्या की कोशिश का जुर्म नहीं बनता। आरोपियों पर IPC और आर्म्स एक्ट की दूसरी धाराओं के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। कोर्ट ने साफ किया कि सिर्फ शक या इस सोच के आधार पर कि मिसफायर होने पर किसी को चोट लग सकती थी, आरोपी पर हत्या की कोशिश का मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। इसके लिए कोई कानूनी सबूत या इरादा होना चाहिए। हाई कोर्ट ने इस रिवीजन पिटीशन को कुछ हद तक मंजूर करते हुए, निचली अदालत के डिस्चार्ज पिटीशन खारिज करने के आदेश को सिर्फ IPC की धारा 307 के तहत रद्द कर दिया है। जबकि आरोपी पर IPC और आर्म्स एक्ट की दूसरी धाराओं के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

अभिषेक बनर्जी पर हमले से भड़कीं महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा, बोलीं- भाजपा के डीएनए में ही हिंसा है!

दिल्ली की पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता का सत्ताधारी दल पर तीखा प्रहारः सत्ता हाथ में आते ही आखिर कैसा उदाहरण पेश कर रही है भाजपा? महानगर मेट्रो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकत्ता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की घटना के बाद देश का राजनीतिक पारा पूरी तरह गरमा गया है। इस हिंसक घटना को लेकर विपक्षी दल लगातार केंद्र और सत्ताधारी दल पर हमलावर हैं। इसी कड़ी में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली की पूर्व विधायक अलका लांबा ने इस घटना पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए अपना भारी आक्रोश व्यक्त किया है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सीधे कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और सत्ता के दुरुपयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

सत्ता के अहंकार और हिंसा पर तीखा हमला

अलका लांबा ने सोशल मीडिया और मीडिया बयानों के माध्यम से भाजपा की कार्यशैली पर कड़ा प्रहार करते हुए

कहा कि सत्ता हाथ में आते ही आखिर यह कैसा उदाहरण पेश किया जा रहा है? उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं की आवाज को दबाने और उन्हें डराने-धमकाने के लिए इस तरह के हिंसक हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक हैं। अपने बयान को और आक्रामक बनाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि हिंसा जिनके डीएनए में शामिल हो, उनसे भला और क्या उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा वैचारिक लड़ाई लड़ने के बजाय हिंसा और डर का माहौल पैदा करने की राजनीति पर उतर आई है, जिसे देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

महानगर मेट्रो का नज़रिया:

अभिषेक बनर्जी पर हुआ यह हमला देश की राजनीति में बढ़ते वैमनस्य और हिंसा के दौर को दर्शाता है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं और हर दल को अपनी विचारधारा रखने का अधिकार है, लेकिन असहमति को दबाने के लिए हिंसा का सहारा लेना किसी भी सभ्य समाज में जायज नहीं ठहराया जा सकता। महानगर मेट्रो इस तरह की हर हिंसक घटना की निंदा करता है। राजनीतिक दलों को चुनावी और वैचारिक जंग सिर्फ जनता की अदालत में लड़नी चाहिए, न कि सड़कों पर लाठी-डंडों और हमलों के दम पर। अब देखना यह होगा कि इस मामले में आगे क्या कानूनी कार्रवाई होती है और विपक्ष का यह आक्रोश क्या रूप लेता है।

कलोल शहर में रात करीब 1:30 बजे अचानक गरज और बिजली के साथ मेघराजा का प्रवेश,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कलोल। कल रात कलोल शहर और अन्य तालुका इलाकों में मौसम में अचानक बदलाव देखा गया, जहां अचानक गरज और बिजली कड़कने और तेज हवा के झोंकों ने चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलाई. पिछले कुछ दिनों से कलोल शहर और अन्य तालुका इलाकों में तापमान लगातार ज्यादा बना हुआ था, और लोग गर्मी की शिकायत कर रहे थे. फिर, रात करीब 1:30 बजे बारिश ने माहौल में ठंडक फैला दी है, वहीं उत्तर और मध्य गुजरात के कई इलाकों में सुबह-सुबह मौसम में अचानक बदलाव देखा गया. जहां उत्तर गुजरात और मध्य गुजरात के जिलों में गरज और बिजली कड़कने के साथ लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली है. पिछले कुछ दिनों से लोग गर्मी की शिकायत कर रहे थे. उस समय, रात में हुई बारिश ने माहौल में ठंडक फैला दी है. कलोल पंथक के इलाकों में जहां बारिश से सड़कें गीली हो गईं और गर्मी का प्रकोप कम हुआ, वहीं लोगों ने राहत की सांस ली और लंबे समय से गर्मी झेल रहे लोगों को बारिश से राहत मिली। बारिश को लेकर किसानों में भी खुशी का माहौल रहा, वहीं कलोल शहर में बादलों के बीच, साथ ही तालुका में भी काले बादलों और हवा के साथ हुई बारिश ने पूरे इलाके का माहौल खुशनुमा बना दिया। मौसम में इस बदलाव के साथ ही लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। बारिश से गर्मी कम हुई है और उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में राज्य के कुछ इलाकों में बारिश का मौसम जारी रहेगा।

घुमका नगर पंचायत में किरण वर्मा फूलमती वर्मा में सीधी टक्कर फुलमती के कार्यकाल को लोग देख चुके हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। नगर पंचायत बनने के बाद पहली बार हो रहे चुनाव में फ्रंटलाइन मुद्दे गायब है और घूमका ग्राम जोकि अब नगर पंचायत है छोटी-मोटी समस्याओं को लेकर मतदाता मौन होकर तटस्थ की भूमिका निभाकर आश्चर्यजनक परिणाम दे सकते हैं प्रशासनिक अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार 2500 मतदाता वाले 15 वाड वाले घूमका नगर पंचायत में कांग्रेस और भाजपा में सीधी टक्कर है कांग्रेस से जहां फूलवती वर्मा नगर पंचायत के बनने से पहले सरपंच रह चुकी है वहीं दूसरी ओर भाजपा से किरण वर्मा को टिकट दिया गया है दोनों ही पार्टियों ने भरपूर ताकत झोंक दिया है अब देखने वाली बात यह है कि ऊंट किस करवट बैठेगी लेकिन बेहद गोपनीय सूत्रों से मिली जानकार अनुसार घुमका में सत्ता सरकार के खिलाफ जबरदस्त एंटी इनकम बेसी यानी सत्ता विरोधी लहर का शंखनाद हो चुका है वजह शराब दुकान को लेकर बताई जा रही है गौरतलाब है कि घूमका ग्राम में शराब भट्टी खोलने के लिए ऐतिहासिक भीड़ उमड़ी थी एवं गांव में

कड़ाबन त्यौहार मानकर महिला पुरुषों बच्चों युवाओं ने समर्थन दिया था तब लोगों में यह सोच थी कि शराब भट्टी खोलने से गांव में जो अवैध शराब दलाल जो शराब बेच रहे हैं वहां ?80 के पाव को डेढ़ सौ रुपए में बेचकर गरीब मध्यम वर्ग लोगों की कमर तोड़ रहे है उससे जनता में जबरदस्त आक्रोश है और यह बेहद आश्चर्य की बात है कि शराब भट्टी खुलने के बावजूद घुमका में अवैध शराब की बाढ़ आ गई है लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि यह कैसे हो सकता है निश्चित रूप से इसमें सत्ता सरकार से जुड़े कुछ भ्रष्ट नेताओं का हाथ है इसी तरीके से घुमका में आए दिन बड़ी गंभीर वारदात हो रही है पुलिस थाना होने के बावजूद भी उस पर अंकुश नहीं लगाया जा रहा है इसी तरह तहसील कार्यालय होने के बावजूद भी छोटी-मोटी समस्याओं के लिए ग्रामीणों को दो-चार होना पड़ रहा है दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सभा उसकी सभा में जो भीड़ उमड़ रही है कहीं-कहीं भारतीय जनता पार्टी को सोचने पर मजबूर कर रही कि यह क्या हो रहा है सीधी-सीधी बात है मुख्यमंत्री न रहने के बावजूद भी भूपेश बघेल के साथ भीड़ का होना मतलब उनका या उनकी पार्टी को समर्थन मिलता दिख रहा है दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता सरकार होने का कुछ लाभ मिल सकता है लेकिन पूरे परिणाम को बदल दे ऐसा असंभव प्रतीत हो रहा है जिस हिसाब से छोटे से नगर पंचायत के चुनाव के लिए भाजपा ने तमाम छोटे बड़े नेताओं मंत्री मिस्टर यहां तक मुख्यमंत्री की भी सभा हो रही सोचने वाली बात है यह एक तरीके से भारतीय जनता पार्टी के लिए घुमका चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है हालांकि अंतिम परिणाम मतदाता ही देंगे लेकिन राजनीतिक प्रेक्षकों और विश्लेषकों के अनुसार घुमका में पहली बार हो रहे नगर पंचायत चुनाव में सत्ता पक्ष दरकिनार करने की विश्वसनीय जानकारी मिल रही है।

गौचर ज़मीन पर गैर-कानूनी खुदाई के खिलाफ़ सरपंच ने मामलतदार को लिखकर शिकायत दी है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कलोल. आरोप सामने आए हैं कि मिनरल माफिया कलोल तालुका की मेदापुर गांव पंचायत के नमरा फलिया में सर्वे नंबर 453 की गौचर ज़मीन पर गैर-कानूनी तरीके से मिट्टी खोद रहे हैं। इस बारे में मेदापुर गांव पंचायत के सरपंच अतुलभाई ने कलोल मामलतदार को लिखकर शिकायत दी है और तुरंत जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के मुताबिक, रॉयल्टी की आड़ में एक महीने से ज़्यादा समय से गौचर ज़मीन पर लगातार खुदाई चल रही है। बताया जा रहा है कि खासकर रात के समय भारी मशीनों की मदद से करीब 20 फीट गहराई तक मिट्टी खोदी गई है। सरपंच अतुलभाई ने अपनी शिकायत में कहा है कि चरागाह की ज़मीन जानवरों के चरने के लिए रिज़र्व है, फिर भी कुछ लोग नियमों को तोड़कर ज़मीन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे सरकारी प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ गांववालों में गुस्सा भी है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और गैर-कानूनी खुदाई में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, खुदाई तुरंत बंद करने और चरागाह की ज़मीन को उसकी असली हालत में वापस लाने के लिए ज़रूरी कदम उठाने की मांग की है। स्थानीय गांव वाले इस बात पर नज़र रखे हुए हैं कि प्रशासन इस मामले में अब क्या कार्रवाई करता है।

रिक्शा चालक एसोसिएशन ने खुद ही किराए में बढ़ोतरी का ऐलान किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांसवाड़ा। परम पूज्य परोपकार सम्राट मोहनखेड़ा तीर्थ विकास प्रेरक आचार्य प्रवर श्रीमद्विजय ऋषभचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. का 4 जून को 69 वां जन्मोत्सव त्रिदिवसीय जिनेन्द्र भक्ति महोत्सव के साथ में मनाया जा रहा है। इस तीन दिवसीय महोत्सव में पावनकारी निश्रा प्रदान करने के लिए बंधु बेलड़ी अष्टम वर्षीतप तपस्वी पूज्य मुनिराज श्री पीयूषचंद्र विजयजी म.सा. पूज्य मुनिराज श्री रजतचंद्र विजयजी म. सा. आदि संत गण एवं साध्वी रत्नरेखा श्रीजी, अनुभवदृष्टा श्रीजी, कल्पिता श्रीजी पधार रहे है। इस महोत्सव को लेकर सेठीया समाज जोरशोर से तैयारिया कर रहा है। जिसके चलते 1 जुन को संतो का श्री राजेंद्र सूरी जैन दादावाडी में मंगल प्रवेश, प्रवचन आदि धार्मिक आयोजन होगे। 2 से 4 जून तक प्रतिदिन पूजन भक्ति प्रवचन के कार्यक्रम किये जायेंगे। 4 जून को राष्ट्रसंत आचार्यप्रवर श्री ऋषभचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. की भव्य गुणानुवाद धर्मसभा होगी जिसमें आसपास के क्षेत्रिय समाज के सदस्य भी शामिल होंगे।

'ला मिलानो' पिज़्ज़ा में कीड़े निकले: आधा पिज़्ज़ा खाने के बाद कस्टमर को पता चला, स्टोर मैनेजर ने कहा- 'गलती हो गई, रिफंड ले लो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद में खाने-पीने की चीज़ों की क्वालिटी और साफ़-सफ़ाई पर एक बार फिर बड़े सवाल उठे हैं। शहर में, खासकर इंटरनेशनल और नेशनल फ़ूड ब्रांड के आउटलेट में कीड़े निकलने के मामले अक्सर सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला निकोल इलाके से सामने आया है, जहाँ मशहूर पिज़्ज़ा आउटलेट 'ला मिलानो पिज़्ज़ेरिया' से ऑनलाइन ऑर्डर किए गए पिज़्ज़ा में कीड़े निकलने पर एक कस्टमर ने हंगामा कर दिया। ऑर्डर एक ऑनलाइन एप्लीकेशन के ज़रिए ऑर्डर किया गया था घटना की जानकारी के मुताबिक, 'ला मिलानो पिज़्ज़ेरिया' स्टोर अहमदाबाद के निकोल इलाके में रसपन चार रास्ता के

पास है। लोकल युवक ध्रुविल सोजित्रा ने इस पिज़्ज़ा स्टोर के ऑफिशियल ऐप से गार्लिक ब्रेड, पिज़्ज़ा और कोल्ड ड्रिंक (कोक) ऑनलाइन ऑर्डर किया था। ऑर्डर डिलीवर होने के बाद, जब ध्रुविल ने खाना शुरू किया और पिज़्ज़ा का आधा पीस खाया, तो उसकी नज़र अचानक पिज़्ज़ा के बेस पर पड़ी। आधा पिज़्ज़ा खाने के बाद, उसे कीड़ा दिखा। ध्रुविल ने पिज़्ज़ा को ध्यान से देखा और देखा कि उस पर एक शक वाला मरा हुआ कीड़ा चिपका हुआ है। कस्टमर एक जाने-माने ब्रांड के पिज़्ज़ा में इतनी गंदगी देखकर हैरान रह गया। जैसे ही उसे यकीन हुआ कि पिज़्ज़ा में कीड़े हैं, उसने तुरंत निकोल में ला मिलानो पिज़्ज़ेरिया स्टोर पर फ़ोन किया और इस बारे में कड़ी शिकायत दर्ज कराई।

'गलती हुई, रिफंड दिया' स्टोर का बेरुखा जवाब

जब परेशान कस्टमर ने स्टोर के कर्मचारी को कीड़े के बारे में बताया, तो ज़िम्मेदार व्यक्ति ने अपनी गंभीर लापरवाही छिपाने के लिए बहुत ही गैर-ज़िम्मेदाराना रवैया अपनाया। कस्टमर की सेहत की चिंता करने के बजाय, स्टोर के कर्मचारी ने बस इतना कहा, 'सर, हमसे गलती हुई है, हम आपको इस ऑर्डर का रिफंड देंगे।

कावत तालुका के नवलजा गांव में पानी का संकट, गांव वाले बहुत गुस्से में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवलजा। गर्मी की चिलचिलाती धूप के बीच छोटा उदयपुर जिले के नवलजा गांव में पीने के पानी की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। सरकार की 'नल से जल' स्कीम के तहत गांव में नल तो लगा दिए गए हैं, लेकिन पानी न आने से गांव वालों को बहुत मुश्किल हो रही है। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को पानी के लिए दूर नदियों पर जाना पड़ता है, जिससे गांव वालों में बहुत गुस्सा है। छोटा उदयपुर जिले के नवलजा गांव में पीने के पानी की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। गांव में पानी की सुविधा के लिए नल लगने के बावजूद पानी की रेगुलर सप्लाई नहीं हो रही है। जिससे गांव वालों को अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए भी बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। गांव वालों के मुताबिक, पंचायत की तरफ से पानी का टैक्स रेगुलर तौर पर लिया जाता है, फिर भी गांव में काफ़ी पानी सप्लाई नहीं होता है। इस वजह से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को पीने का पानी लेने के लिए दूर नदियों पर जाना पड़ता है। सिर पर चटाई और हाथ में बाल्टी लेकर पानी लाने वाली महिलाओं के सीन गांव की असली हालत दिखाते हैं। जहां लोग पीने के पानी के लिए जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ, बेजुबान जानवरों को पानी कैसे पिलाएं, यह भी गांववालों के लिए एक बड़ा सवाल बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी की कमी से जानवरों के लिए भी संकट पैदा हो गया है। गांववालों का आरोप है कि सरकार की 'नल से जल' स्कीम सिर्फ कागजों पर ही सफल दिखाई जा रही है। गांव में नल की सुविधा होने के बावजूद, स्कीम का असली फायदा लोगों को नहीं मिल रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अधिकारी सिर्फ यह दावा करते हैं कि सुविधा का काम पूरा हो गया है, जबकि असल में लोग अभी भी पानी के लिए जूझ रहे हैं। पानी की गंभीर समस्या से तंग आकर गांववालों ने प्रशासन के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया है और तुरंत पानी की सप्लाई बहाल करने की मांग की है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो गांववाले हिंसक आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमला: 'भाजपा बंगाल में चुनाव आयोग के रास्ते आई, अब जनता झेल रही डबल मार' - अशोक गहलोत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले के बाद देश का सियासी पारा गरमा गया है। इस घटना को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने पश्चिम बंगाल के मौजूदा हालात पर गहरी चिंता जताते हुए युवाओं से देश को बचाने के लिए आगे आने की अपील की है।

'जनता पर पड़ रही है डबल इंजन की डबल मार

महानगर मेट्रो से बात करते हुए कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, 'मैंने पहले भी कोलकाता जाकर यह साफ कहा था कि यदि भाजपा बंगाल में जीत गई, तो पूरा

देश निराश हो जाएगा। हालांकि, भाजपा वहां अपने दम पर नहीं आई है, बल्कि उसे चुनाव आयोग द्वारा लाया गया है। '

अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहाः

'यह घटना आज इसलिए इतनी चर्चा में है और प्रकाश में आई है क्योंकि अभिषेक बनर्जी टीएमसी के बहुत बड़े नेता हैं। लेकिन हकीकत यह है कि जब से तृणमूल कांग्रेस चुनाव हारी है, तब से पूरे बंगाल में गुंडागर्दी और अराजकता का माहौल बना हुआ है। बंगाल में आज जो कुछ भी हो रहा है, उसे पूरा देश खुली आंखों से देख रहा है। गहलोत ने आगे तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के पास तो 'डबल इंजन' की सरकार है, लेकिन इस इंजन की वजह से जनता को 'डबल मार' झेलनी पड़ रही है।

युवाओं से अपीलः 'आगे नहीं आए तो देश किस दिशा में जाएगा? अशोक गहलोत ने देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता जताते हुए युवा पीढ़ी को आगाह किया। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश और विशेषकर युवाओं को यह गंभीरता से सोचना होगा कि हमारा देश किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। गहलोत ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा, 'यदि आज की युवा पीढ़ी देश को संभालने के लिए आगे नहीं आएगी, तो फिर कौन आएगा? आज समय की मांग है कि युवाओं को केवल लोकलुभावन वादों के पीछे भागने के बजाय विचारधारा की राजनीति को समझना होगा और उसमें सक्रिय रूप से उतरना होगा। ' राजनीतिक गलियारों में मंचा हड़कंप

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

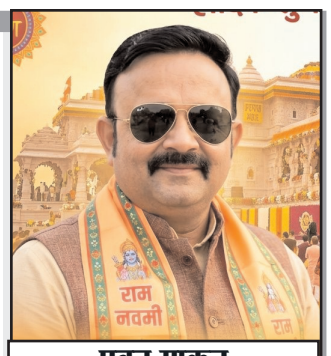

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्ल एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्ल- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-

पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

संपादकीय

जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और धेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है। हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

मृत्यु के बाद क्या होता है? यह जानने से कहीं अधिक आवश्यक यह जानना है कि मृत्यु से पहले क्या करना है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सांसों की सरहद और मानव जाति का सबसे बड़ा भ्रम मान लीजिए कि आप किसी बिल्कुल अनजान प्रदेश की यात्रा पर जाने वाले हों, तो आप किसकी सलाह लेंगे? स्वाभाविक है कि ऐसे व्यक्ति की जो वहां जाकर वापस आया हो। परंतु मानव इतिहास का सबसे बड़ा विरोधाभास और विडंबना देखिए सभ्यता की शुरुआत से लेकर आज तक एक ऐसी यात्रा है जहां गया हुआ कोई भी यात्री कभी अपना 'फीडबैक' (अनुभव) देने वापस नहीं आया, और उस यात्रा का नाम है 'मृत्यु'। फिर भी, आश्चर्य इस बात का है कि जो लोग कभी मरे ही नहीं, वही जीवित लोग सुबह-शाम सभाएं करके, पुस्तकें लिखकर अत्यंत आत्मविश्वास के साथ समझाते हैं कि मृत्यु के बाद क्या होता है! यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे कोई अंधा व्यक्ति दूसरे अंधों की सभा बुलाकर रंगों की सुंदरता पर पीएचडी करवा रहा हो। अनुभव के बिना ज्ञान मृत्यु की जीती-जागती कहानियां हैं। चिकित्सा विज्ञान में एक अद्भुत और चौंकाने वाली घटना है, जिसे फैंटम लिम्ब पेन' कहा जाता है। जब किसी व्यक्ति का हाथ या पैर किसी दुर्घटना में कट जाता है, तब भी लंबे समय तक उसके मस्तिष्क को ऐसा आभास होता है कि उसका वह अंग वहीं है, और उसे वहां असहनीय दर्द महसूस होता है। अंग नहीं है फिर भी दर्द सनातन लगता है! आज हमारा पूरा समाज इसी मनोवैज्ञानिक रोग से पीड़ित है। जिस 'परलोक', 'स्वर्ग' या 'नरक' के अस्तित्व का कोई प्रमाण नहीं है, उस काल्पनिक परलोक की चिंता में मनुष्य अपने साक्षात हाथ-पैर जैसे जीवित जागते 'इस लोक' को नरक बना रहा है। हम एक ऐसे अदृश्य भय की पीड़ा भुगत रहे हैं जिसका कोई भौतिक अस्तित्व ही नहीं है। मरने के बाद कौन सी वैतरणी नदी पार करनी है, इसकी चिंता में मनुष्य आज जीते-जी अपने सामने खड़े भाई, पड़ोसी या गरीब व्यक्ति की नदी जैसी बहती जिंदगी में जहर घोलने से बाज नहीं आता।

भय से उपजा पुण्य बनाम सच्ची करुणा

समाज का सबसे कड़वा सच यह है कि मनुष्य प्रेम से नहीं, बल्कि डर से सत्कर्म करता है। यदि मनुष्य से कहा जाए कि आप सत्कर्म कीजिए क्योंकि इससे इसी क्षण समाज का भला होगा और आपकी आत्मा को परम शांति मिलेगी, तो शायद कोई दान देने को तैयार नहीं होगा। लेकिन अगर उसे यह कहकर डराया जाए कि यदि यह व्रत या विधि नहीं की तो नरक में जाओगे, तो मनुष्य भयभीत होकर तुरंत अपनी तिजोरियां खोल देगा। सोचिए, यह सत्कर्म है या सजा से बचने के लिए ईश्वर के नाम पर दी जाने वाली 'रिश्वत'? डर से पैदा हुआ पुण्य, पाप से भी अधिक कमजोर और खोखला होता है। जब आप नरक के डर से या स्वर्ग के लालच से किसी को अन्न देते हैं, तब उसमें 'करुणा' नहीं होती बल्कि एक निम्न स्तर का 'सौदा' होता है। यदि आपका सत्कर्म नरक के डर से पैदा होता है, तो ईश्वर आपके पुण्य को नहीं बल्कि आपकी डरपोक आत्मा को देखता है। भय छोड़िए और भाव से इंसान बनिए। सच्चा मानव धर्म वही है जहां पाप-पुण्य के गणित के बिना, किसी अदृश्य न्यायाधीश के डर के बिना, बस सामने वाले की पीड़ा देखकर हृदय पिघल जाए। मृत्यु तो क्षणभर की घटना है, वह तो कभी भी सांसों की डोरी तोड़ देगी। परंतु तब तक जो वर्षों की लंबी जिंदगी मिली है, उसमें हमारी असली भूमिका क्या है, यह समझना ही सच्चा ज्ञान है। वास्तव में, मरने के बाद किसी आत्मा के पीछे गीता का पाठ करवाएं या दान-पुण्य करें, उससे करोड़ों गुना बड़ा पुण्य यह है कि जब तक हमारे सामने कोई व्यक्ति जीवित बैठा है, उसे अपने व्यवहार, शब्दों या अहंकार से कभी ठेस न पहुंचाएं। आज इंसानियत की सबसे बड़ी बदकिस्मती यह है कि मिट्टी के कुछ टुकड़ों और संपत्ति के लिए सगे भाई अदालत की सीढ़ियां चढ़ते हैं और वर्षों के खून के रिश्तों की आहुति दे देते हैं। जमीन का जो टुकड़ा वर्षों पहले किसी और का था, आज हमारा है और कल किसी तीसरे का हो जाएगा, उसके लिए अपने ही परिवार में कलह पैदा करना वैचारिक अंधापन है। इस संसार में अधिक से अधिक इकट्ठा करने की अंधी दौड़ में भ्रष्टाचार, छल-कपट और बेईमानी का गलत रास्ता अपनाना, खुद अपने हाथों से जिंदगी में जहर घोलने के बराबर है। गलत रास्ते से कमाई गई लक्ष्मी कभी आशीर्वाद बनकर नहीं रहती, वह अंततः घर में बीमारी, मानसिक अशांति और विनाश ही लाती है। यदि हमने किसी गरीब, लाचार या मजबूर इंसान का दिल दुखाकर उसकी 'हाय' (बद्दुआ) ली होगी, तो दुनिया का कोई बड़ा तीर्थ या कोई भव्य सोने का दान हमें उस पाप के बोझ से मुक्त नहीं करा पाएगा। किसी असहाय व्यक्ति की आह से बड़ा कोई श्राप नहीं होता। 'गलत रास्ते से इकट्ठा की गई संपत्ति यहीं छूट जाएगी, लेकिन किसी लाचार की ली हुई 'हाय' आत्मा का पीछा कभी नहीं छोड़ेगी। इसलिए कमाई भले ही कम हो, पर उसमें किसी के आंसू नहीं होने चाहिए। इसके विपरीत, यदि ईश्वर ने हमें हमारी क्षमता और आवश्यकता से अधिक संपत्ति या धन दिया है, तो इसका अर्थ यह है कि भगवान ने हमें समाज के कल्याण के लिए एक 'ट्रस्टी' बनाया है। हमारी संपत्ति का सही उपयोग यही है कि उससे जितना हो सके जरूरतमंद लोगों की, भूखों की और बेजुबान जीवों की सेवा हो। हमारा धन जब हमारी विलासिता बढ़ाने के बजाय किसी के मुरझाए हुए चेहरे पर सच्ची मुस्कान लाए, तभी वह लक्ष्मी पवित्र बनती है और हमारा होना सार्थक होता है।

व्यावहारिक इंसानियत ही सच्चा धर्म है

आज समाज को वहम, अंधविश्वास और काल्पनिक कथाओं के दम पर डराकर चलाया जा रहा है। एक सच्चा और स्वस्थ समाज वही बन सकता है जो भयमुक्त हो। गंगा में डुबकी लगाने से पाप धुलेंगे या नहीं, यह तो मौत के बाद पता चलेगा, लेकिन जीते-जी किसी की संपत्ति न हड़पना, किसी के दिल को ठेस न पहुंचाना और लक्ष्मी हो तो उसे समाज के हित में लगाना यह व्यावहारिक इंसानियत ही सच्चा धर्म है। 'मृत्यु के बाद वैकुंठ मिलेगा या नहीं, यह तो एक रहस्य है; लेकिन जीते-जी किसी को परेशान न करना और धन होने पर जरूरतमंद की सेवा करना, यही इस लोक का सबसे बड़ा पुण्य है। स्वर्ग-नरक के काल्पनिक नक्शे बनाना बंद करके, यदि हर मनुष्य अपने घर, आंगन और व्यवहार को स्नेहपूर्ण तथा ईमानदार बनाने का संकल्प ले, तो पृथ्वी की इस पवित्र मिट्टी पर ही वैकुंठ उतर आएगा। अंत में इतना ही, कि जब हमारी आखिरी सांस थमे और हम अतीत की ओर नजर डालें, तो अफसोस की कोई राख बची नहीं होनी चाहिए। मौत चाहे जब और जिस रूप में आए, हमारी जिंदगी का अंजाम ऐसा होना चाहिए कि हमारे जाने के बाद लोग हमारी तिजोरियों की नहीं, बल्कि हमारी व्यावहारिक इंसानियत की बातें करें। चलिए, आज से ही काल्पनिक भय की बेड़ियों को तोड़ते हैं, गलत रास्तों का त्याग करते हैं और 'मौत से पहले' एक सच्चा, मुक्त और करुणा से भरपूर जीवन जीना शुरू करते हैं!

दर्शना पटेल, नेशनल मेडलिस्ट
(नेशनल अवार्ड से सम्मानित)

राजस्थान से तस्करी: नवसारी में अफीम का नेटवर्क ध्वस्त, लाखों के माल के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी. गुजरात को नशे की गर्त में धकेलने की कोशिश कर रहे अंतर-राज्यीय ड्रग नेटवर्क के खिलाफ नवसारी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक सटीक सूचना के आधार पर जाल बिछाकर राजस्थान से भारी मात्रा में अफीम मंगवाकर नवसारी जिले और उसके आस-पास के इलाकों में उसकी खुदरा (छूटक) बिक्री करने वाले एक शातिर नशा तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लाखों रुपये मूल्य की शुद्ध अफीम का जर्दा और अन्य सामग्री जब्त की है। इस गिरफ्तारी के बाद से इलाके के छोटे-बड़े ड्रग पैडलर्स में हड़कंप मच गया है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मारी बाजी

नवसारी जिला पुलिस की स्पेशल टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि राजस्थान से अफीम की एक बड़ी खेप नवसारी में तस्करी के जरिए लाई गई है और उसे स्थानीय स्तर पर ग्राहकों को छोटे-छोटे पैकेटों में बेचने की फिराक में एक डीलर घूम रहा है। सूचना की तस्दीक करने के बाद पुलिस ने संदिग्ध इलाके की घेराबंदी की और जैसे ही आरोपी नशीले पदार्थ की डिलीवरी देने पहुंचा, पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया।

लाखों का मुद्दामाल जब्त, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से भारी मात्रा में अफीम बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने अफीम के साथ-साथ तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन, नकद राशि और अन्य संदिग्ध सामान (मुद्दामाल) को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है।

राजस्थान के मुख्य सप्लायर की तलाश तेज

शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया है कि वह पिछले कुछ समय से राजस्थान के तस्करों के संपर्क में था और वहां से कम दामों में अफीम मंगवाकर गुजरात के नवसारी और दक्षिण गुजरात के अन्य जिलों में ऊंचे दामों पर बेचता था। नवसारी पुलिस अब इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि राजस्थान में बैठा वह मुख्य सरगना कौन है जो गुजरात में इस जहर की सप्लाई कर रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इस नेटवर्क से जुड़े कुछ और स्थानीय सफेदपोशों और तस्करों के नामों का खुलासा हो सकता है।

युवक का बैग छीनकर भागा बंदर, पेड़ पर बैठकर करने लगा नोटों की बारिश- VIDEO

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शनिवार को कचहरी परिसर के पास एक अनोखी घटना देखने को मिली. यहां एक बंदर ने जमीन की रजिस्ट्री कराने आए युवक के हाथ से रुपयों से भरा थैला झपट लिया और पेड़ पर चढ़ गया. इसके बाद जो हुआ, उसे देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए. जानकारी के अनुसार एक युवक जमीन का बैनामा कराने के लिए कचहरी परिसर में स्थित एक अधिवक्ता के चेंबर पर पहुंचा था. उसके पास एक थैला था, जिसमें करीब दो लाख रुपये रखे हुए थे. चेंबर से बाहर निकलकर जब वह रजिस्ट्री विभाग के स्टांप वेंडर की ओर जा रहा था, तभी एक बंदर ने अचानक उसके हाथ से थैला छीन लिया और पास के एक पेड़ पर जाकर बैठ गया.

पेड़ पर बैठकर उड़ाने लगा नोट

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बंदर ने शायद थैले में खाने-पीने का सामान होने की उम्मीद में उसे छीना था. लेकिन जब उसने थैला खोलकर देखा तो उसमें नोटों की गड्डियां थीं. नोट देखकर बंदर ने एक-एक कर गड्डियों को पेड़ से नीचे फेंकना शुरू कर दिया. कुछ नोट हवा में उड़ने लगे, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. युवक ने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद आसपास मौजूद लोग मौके पर जमा हो गए. लोगों ने सड़क और परिसर में बिखर रहे नोटों को समेटना शुरू कर दिया. काफी देर तक यह सिलसिला चलता रहा और कचहरी परिसर के बाहर 'नोटों की बारिश' जैसा नजारा देखने को मिला. वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा है वायरल गनीमत रही कि मौके पर मौजूद लोगों ने ईमानदारी दिखाते हुए अधिकांश रुपये युवक को वापस दिला दिए. बताया जा रहा है कि करीब दो लाख रुपये में से लगभग 1 लाख 98 हजार रुपये बरामद कर लिए गए. केवल थोड़ी रकम ही गायब बताई जा रही है. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में पेड़ पर बैठा बंदर नोट फेंकता नजर आ रहा है, जबकि नीचे खड़े लोग उन्हें समेट रहे हैं.

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, कंटेनर से टकराई बाइक, डिप्टी एसपी ने गंवाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरादाबाद। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक आगे जा रहे कंटेनर से जा टकराई। हादसे में एनआईए के डिप्टी एसपी की मौत हो गई। इसके साथ ही हादसे में जयपुर की महिला पूनम भी घायल हो गई।

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर सड़क हादसा

यूपी के मुरादाबाद में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कटघर थाना क्षेत्र में रात करीब 11:30 बजे तेज रफ्तार बाइक आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार एनआईए के डिप्टी एसपी ईशान मेहरा (32) की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ईशान मेहरा बाजपुर में अपने एक दोस्त के घर जा रहे थे। बाइक पर उनके साथ जयपुर निवासी पूनम भी सवार थीं, जो हादसे में घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

डिप्टी एसपी की मौत

हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल ईशान मेहरा को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे में घायल हुई जयपुर निवासी महिला पूनम का अस्पताल में इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने पर एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह भी जिला अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने घायल महिला से पूछताछ की तो पता चला कि हादसे में जान गंवाने वाले ईशान दिल्ली में एनआईए में डिप्टी एसपी थे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा हादसे की सूचना मिलते ही ईशान मेहरा की मां पूनम मेहरा, भाई राघव और अन्य परिजन मुरादाबाद पहुंच गए। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और फिर शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर चले गए।

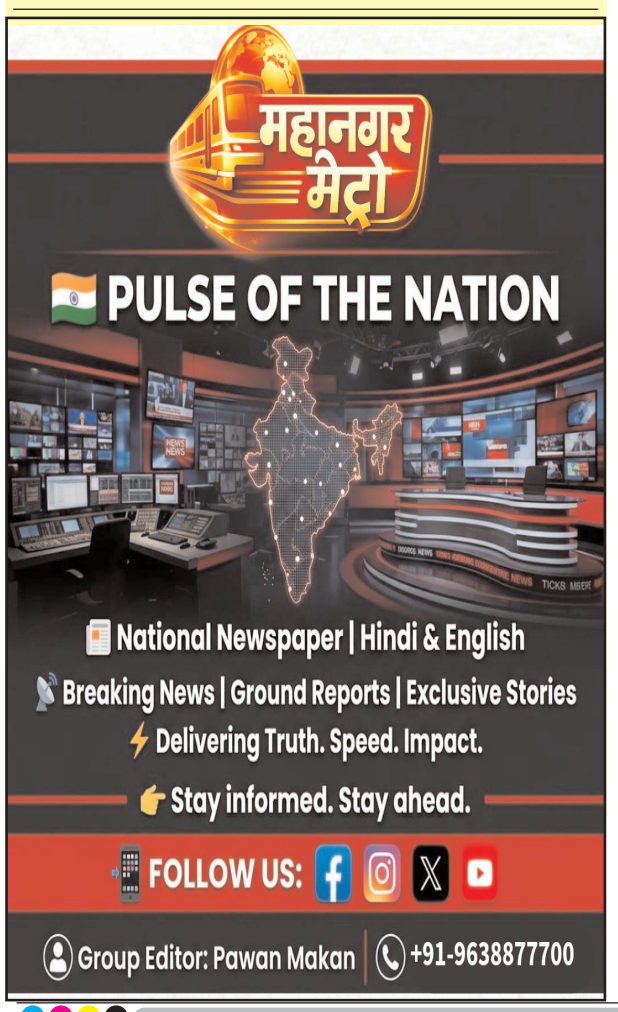

शिवपुरी में कुत्तों का आतंक! एक ही दिन में 60 लोगों को काटा... दहशत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में आवारा कुत्तों के हमले से रविवार को हड़कंप मच गया. शहर के अलग-अलग इलाकों में एक कुत्ते ने करीब 60 लोगों को काट लिया. जिनमें बच्चे, बुजुर्ग और दुकानदार शामिल हैं. बड़ी संख्या में घायल जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया और एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए गए. शिवपुरी शहर में रविवार को आवारा कुत्तों के आतंक ने लोगों में दहशत फैला दी. शहर के अलग-अलग इलाकों में एक आक्रामक कुत्ते ने अचानक लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया, जिससे एक ही दिन में करीब 60 लोग डॉग बाइट का शिकार हो गए. घायलों में बच्चे, बुजुर्ग और दुकानदार तक शामिल हैं. बड़ी संख्या में पीड़ितों के जिला अस्पताल पहुंचने से ट्रॉमा सेंटर में मरीजों की लंबी कतार लग गई.

एक साथ 60 लोग पहुंचे अस्पताल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुत्ते ने शहर के तीन अलग-अलग स्थानों पर लोगों को निशाना बनाया. कई बच्चे घरों के बाहर खेल रहे थे, जबकि कुछ लोग अपने रोजमर्रा के काम में व्यस्त थे. इसी दौरान कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया. स्थानीय निवासी रज्जाक ने बताया कि वह अपनी दुकान पर पंचर बनाने का काम कर रहे थे, तभी कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया. वहीं एक अन्य पीड़ित ओमवीर सिंह ने बताया कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और कुत्ता लगातार कई लोगों को काटता रहा. घटना के बाद जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. सामान्य दिनों में जहां डॉग बाइट के 10 से 15 मामले आते हैं, वहीं रविवार को यह संख्या बढ़कर 60 तक पहुंच गई. अस्पताल प्रशासन ने सभी घायलों का तत्काल उपचार शुरू किया और उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए गए. जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में डॉग बाइट के मामले आना असामान्य है. उन्होंने कहा कि अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में दवाएं और इंजेक्शन उपलब्ध हैं व सभी मरीजों का उपचार किया जा रहा है. उन्होंने लोगों से घबराने के बजाय समय पर अस्पताल पहुंचकर इलाज कराने की अपील की.

फर्जी पत्रकारों का भंडाफोड़, सरकारी अफसरों और सरपंचों से करते थे वसूली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। सिंगोड़ी पुलिस ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के जरिए सरकारी कर्मचारियों, सरपंचों और कारोबारियों को ब्लैकमेल करने वाले एक फर्जी पत्रकार गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि मुख्य सरगना अभी फरार है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले से सीएम हेल्पलाइन का दुरुपयोग कर अवैध उगाही करने वाले एक शातिर गिरोह का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सिंगोड़ी पुलिस ने खुद को पत्रकार बताकर सरकारी अमले और जनप्रतिनिधियों को ब्लैकमेल करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सीएम हेल्पलाइन पर झूठी शिकायतें दर्ज कराता था और फिर उन्हें वापस लेने या खबर न चलाने के एवज में मोटी रकम वसूलता था।

सरपंच परिवार को बनाया निशाना, ऐसे खुला राज

इस पूरे काले धंधे का भंडाफोड़ तब हुआ जब गिरोह ने रजोला ग्राम पंचायत की सरपंच संध्या साहू और उनके पति अंकित साहू को निशाना बनाया। आरोपियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी का झूठा आरोप लगाते हुए सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी। जनपद पंचायत की जांच में जब आरोप फर्जी पाए गए, तो आरोपियों ने सोशल मीडिया पर बदनामी की धमकी देकर पैसों की मांग शुरू कर दी। पीड़ित परिवार ने डरकर 15 हजार रुपये दे भी दिए, लेकिन जब आरोपियों की भूख और बढ़ी और उन्होंने 70 हजार रुपये और मांगे, तब पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद हमने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी नीलेश प्रजापति और मनोज चंद्रवंशी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामले का मुख्य आरोपी हिमांशु गोहिया अभी फरार है, जिसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। जांच में कई और लोगों से उगाही की बात सामने आई है। पंकज राय, चौकी प्रभारी, सिंगोड़ी

(छिंदवाड़ा) डॉक्टर, शिक्षक और रेत कारोबारी भी थे रडार पर पुलिस की अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था। इनके निशाने पर केवल पंचायत प्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर, नर्स, स्कूलों के शिक्षक, प्राचार्य और अवैध रेत खनन से जुड़े लोग भी थे। पुलिस को आशंका है कि कार्रवाई के डर से कई लोग पहले ही इस गिरोह को मोटी रकम दे चुके हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद से अब कई और पीड़ित अपनी शिकायतें लेकर पुलिस के पास पहुंच रहे हैं।

पुलिस की लोगों से अपील

सिंगोड़ी पुलिस ने आम जनता और सरकारी कर्मचारियों से अपील की है कि यदि कोई भी व्यक्ति सीएम हेल्पलाइन या खबर के नाम पर डराकर पैसे मांगता है, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। शिकायतकर्ता का नाम पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा।

फर्जी लोन ऐप के जाल में फंसी महिला, 40 हजार के बदले ठगों ने वसूले 450000, अश्लील तस्वीरें बनाकर किया ब्लैकमेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर के बाणगंगा इलाके में ऑनलाइन लोन ऐप 'क्रेडिट लीफ' के जरिए ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने एक महिला को 40 हजार रुपये के लोन के बदले डरा-धमकाकर साढ़े चार लाख रुपये ऐंठ लिए।

फर्जी लोन ऐप के जाल में फंसी महिला

इंदौरः जिले के बाणगंगा थाना क्षेत्र में ऑनलाइन लोन ऐप के जरिए ठगी और ब्लैकमेलिंग का गंभीर मामला सामने आया है। एक महिला ने आरोप लगाया है कि फर्जी लोन ऐप से 40 हजार रुपए का कर्ज लेने के बाद साइबर ठगों ने उसका मोबाइल डेटा हासिल कर लिया और फिर लगातार धमकियां देकर उससे करीब 4 लाख 50 हजार रुपए वसूल लिए। मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रेडिट बी नाम के एप से लिया लोन

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ने अक्टूबर 2025 में पारिवारिक जरूरतों के चलते ऑनलाइन लोन लेने का फैसला किया था। इसी दौरान उसे गूगल प्ले स्टोर पर क्रेडिट लीफ नाम का एक लोन ऐप दिखाई दिया। महिला ने ऐप डाउनलोड कर सात दिनों की अवधि के लिए 40 हजार रुपए का लोन लिया। लोन लेने के दौरान ऐप ने मोबाइल की कई परमिशन मांगी थीं जिन्हें उसने मंजूर कर दिया था।

फोटो एडिट करने की दी धमकी

कुछ ही दिनों बाद महिला को अंतरराष्ट्रीय नंबरों से व्हाट्सएप कॉल आने लगे। कॉल करने वाले लोग खुद को लोन रिकवरी एजेंट बताकर तत्काल पैसे लौटाने का दबाव बनाने लगे। महिला का आरोप है कि ठगों ने उसके मोबाइल में मौजूद फोटो, वीडियो और कॉन्टैक्ट लिस्ट हासिल कर लिया। इसके बाद उन्होंने धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो उसकी तस्वीरों को एडिट कर आपत्तिजनक बनाकर रिश्तेदारों और परिचितों को भेज दिया जाएगा। साढ़े चार लाख लेने के बाद भी डर और सामाजिक बदनामी के कारण महिला ने शुरुआत में आरोपियों की मांग के अनुसार रकम ट्रांसफर कर दी। हालांकि इसके बाद भी ठगों ने पैसे मांगना बंद नहीं किया।

मां ने तीन मासूम बेटियों को जहर देकर खुद भी किया सुसाइड, शहडोल में एक ही घर से उठीं 4 अर्थियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। शहडोल जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पपौंध थाना क्षेत्र के हिरवाह गांव में एक मां ने अपनी तीन मासूम बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक हादसे में चारों की मौत हो गई है। मां ने तीन मासूम बेटियों को जहर देकर खुद भी किया सुसाइड मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के पपौंध थाना क्षेत्र अंतर्गत हिरवाह गांव से एक रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक मां ने अपनी तीन मासूम बेटियों के साथ कीटनाशक खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस सामूहिक आत्महत्या कांड में मां और तीनों बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस घटना के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और हर कोई स्तब्ध है। अकेले घर में उठाया आत्मघाती कदम मृतका की पहचान अनीता सिंह के रूप में हुई है, जो अपने घर में तीन बेटियों- अर्पिता (7 वर्ष), कृष्णकुमारी (4 वर्ष) और रितिका (2 वर्ष) के साथ रहती थी।

अनीता का पति पेशे से ट्रक ड्राइवर है और वह आजीविका के सिलसिले में हैदराबाद में रहता था। यह परिवार मूल रूप से तिखवा गांव का रहने वाला है, लेकिन हिरवाह गांव में अपनी सात एकड़ जमीन पर बने प्रधानमंत्री आवास में अनीता बच्चों के साथ रह रही थी। घटना के वक्त घर में कोई और बड़ा सदस्य मौजूद नहीं था। एक महिला ने अपनी तीन बेटियों के साथ जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या की है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने चारों को अस्पताल पहुंचाया, जहां मां और दो बच्चियों की पहले ही मौत हो चुकी थी, जबकि तीसरी बच्ची ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। आत्महत्या के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मर्ग कायम कर हर एंगल से मामले की गहराई से जांच कर रही है बृजेन्द्र मिश्रा, थाना प्रभारी पपौंध मरती हुई मासूम ने खोला राज घटना की जानकारी मिलते ही जब ग्रामीणों और पुलिस की मदद से चारों को अस्पताल ले जाया गया, तब तक अनीता और दो बच्चियों की सांसें थम चुकी थीं। हालांकि, एक बच्ची उस वक्त जीवित थी।

CM योगी का बड़ा एक्शन, कमीशनखोरी करने वाले 2 अधिकारी निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। सरकार ने व्यावसायिक शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सहायक निदेशक धीरेन्द्र कुमार झा और प्रधान सहायक इमरान अहमद को निलंबित कर दिया है. दोनों पर तबादलों के नाम पर कमीशनखोरी, रिश्वतखोरी और पद के दुरुपयोग के आरोप हैं. उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व वाली सरकार ने व्यावसायिक शिक्षा विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. विभाग के प्रशिक्षण निदेशालय में तैनात सहायक निदेशक धीरेन्द्र कुमार झा और प्रधान सहायक इमरान अहमद पर गंभीर आरोप लगने के बाद यह कार्रवाई की गई है. इस कदम को राज्य सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है.

ट्रांसफर के नाम पर करते थे धन उगाही

जानकारी के अनुसार व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने दोनों अधिकारियों के निलंबन के आदेश जारी किए हैं. वहीं निदेशक प्रशिक्षण अभिषेक सिंह ने इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कराया. विभागीय सूत्रों के मुताबिक सहायक निदेशक धीरेन्द्र कुमार झा पर कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार और अपने पद का दुरुपयोग करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं. आरोप है कि स्थानांतरण सत्र के दौरान विभाग में तबादलों के नाम पर धन उगाही का खेल चल रहा था और इसमें उनकी भूमिका संदिग्ध पाई गई. बताया जा रहा है कि तबादले कराने के लिए संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों से मोटी रकम वसूली जाती थी. सूत्रों का दावा है कि स्थानांतरण कराने के बदले करीब 10 प्रतिशत तक कमीशन लिया जाता था. वहीं प्रधान सहायक इमरान अहमद के खिलाफ भी कई गंभीर शिकायतें सामने आई हैं. उन पर भ्रष्टाचार, कर्मचारियों के उत्पीड़न और धार्मिक आधार पर भेदभाव करने के आरोप लगाए गए हैं. इतना ही नहीं, विभागीय जांच में यह भी आरोप सामने आया है कि वह कुछ लोगों के साथ मिलकर एक संगठित तरीके से काम कर रहे थे. आरोप है कि अलग-अलग नामों से विभाग में शिकायतें दर्ज कराई जाती थीं और बाद में उन्हीं शिकायतों के निस्तारण या कार्रवाई रोकने के नाम पर संबंधित कर्मचारियों से धन की मांग की जाती थी. इस तरह विभाग में भय और दबाव का माहौल बनाकर कथित रूप से धन उगाही की जाती थी.

सपा के कद्दावर नेता के भाई-भतीजे के रैकेट का भंडाफोड़,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। एसटीएफ ने सपा के कद्दावर नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री अंबिका चौधरी के भाई-भतीजों द्वारा चलाए जा रहे ट्रकों से अवैध वसूली के एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है. आरोपी आरटीओ के फर्जी अधिकारी बनकर वाराणसी समेत कई जिलों में एंट्री फीस वसूल रहे थे. पुलिस ने बताया कि ये लोग ओवरलोडेड ट्रक को पास करने और एंट्री फीस के नाम पर हर ट्रक से ?3000 वसूली कर रहे थे. इस संबंध में वाराणसी के फूलपुर थाने में इस मामले में FIR दर्ज कराई गई है. यूपी एसटीएफ अब अन्य आरोपियों की तलाश में जुट गई है और पूरे मामले की गहन जांच कर रही है. इस रैकेट से जुड़े और लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी.

RTO सिपाही चला रहा था रैकेट

पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया मुख्य आरोपी विपिन यादव गाजीपुर जिले के आरटीओ दफ्तर में बतौर सिपाही कार्यरत है. उसी ने आरटीओ का अधिकारी बनकर वाराणसी के साथ-साथ गाजीपुर, सोनभद्र और मिर्जापुर जैसे जिलों में ट्रकों से डरा-धमकाकर अवैध वसूली करने का ये पूरा नेटवर्क तैयार किया था और गैंग को चला रहा था.

जेवर कोतवाली के सामने जिम में लगी आग, सुरक्षित निकाले गए लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सटे ग्रेटर नोएडा में रविवार सुबह एक जिम में आग लग गई। आग लगते ही वहां व्यायाम कर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जब तक लोग संभल पाते, उससे पहले धुआं भर गया।

ग्रेटर नोएडा में जिम में लगी आग

नोएडाः भीषण गर्मी का असर साफ दिखाई देने लगा है। रविवार को गाजियाबाद के लिंक रोड स्थित फैक्ट्री में आग के बाद ग्रेटर नोएडा में एक जिम में आग लग गई। रविवार सुबह जेवर पुलिस कोतवाली के सामने स्थित एक जिम में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपने आगोश में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेट की गाड़ियां मौके पर पहुंची। अंदर

फंसे 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चला है। मामले की जांच की जा रही है। जिम में उस समय आग लगी, जब लोग व्यायाम कर रहे थे। अचानक से धुआं उठता देख लोग बचने की कोशिश करते उससे पहले ही जिम में धुआं-धुआं हो गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इनवर्टर की बैटरी में शॉर्ट-सर्किट से आग लगी है। हालांकि, अभी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। बता दें कि इससे पहले गाजियाबाद शहर के लिंक रोड एरिया में स्थित एक धागा बनाने वाली फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग में करोड़ों रुपये के नुकसान का अनुमान है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

दिल्ली: महिपालपुर में मोबाइल चार्जर गोदाम में लगी भीषण आग, मौके पर 14 फायर ब्रिगेड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महिपालपुर। दिल्ली के महिपालपुर इलाके में शनिवार रात मोबाइल चार्जर के गोदाम में भीषण आग लग गई. दमकल विभाग की 14 गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी है. अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. दिल्ली के दक्षिण-पश्चिमी इलाके महिपालपुर की एक तीन मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई. ये आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने एक मोबाइल चार्जर के गोदाम में लगी. घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 14 गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं. शनिवार रात को वसंत कुंज इलाके के महिपालपुर की गली नंबर 12 स्थित एक मोबाइल गोदाम से आग की लपटें उठती देखी गईं. दिल्ली फायर सर्विस को रात करीब 9:30 से 9:40 बजे के बीच इस आग को लेकर इमरजेंसी कॉल मिली थी. सूचना मिलते ही विभाग ने बिना कोई वक्त गंवाए शुरुआती तौर पर 5 दमकल वाहनों को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया था. दमकलकर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं. आग की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने स्थिति को देखते हुए इसे पहले 'मेक 4' और फिर 'मेक 6' कैटेगरी में डाल दिया. इसका मतलब ये था कि मौके पर और ज्यादा संसाधनों की जरूरत थी. इसके बाद तुरंत और गाड़ियां भेजी गईं. अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए कुल मिलाकर 14 दमकल वाहनों को काम पर लगाया गया है. इमारत में लगी आग का वीडियो भी सामने आया जिसमें आसमान में दूर-दूर तक आग की लपटें देखने को मिल रही हैं.

अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं

फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने का अभियान लगातार जारी था. राहत की बात ये है कि इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने या किसी व्यक्ति के घायल होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है. इमारत के भीतर कितने लोग थे और कितना नुकसान हुआ है, खबर लिखे जाने तक इसकी पूरी डिटेल का खुलासा भी नहीं हो सका है. आग लगने की असली वजह क्या थी, इसका पता भी अभी नहीं चल सका है. प्रशासन मामले की जांच कर रहा है.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया उच्च स्तरीय समिति का पुनर्गठन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगामी कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए उच्च स्तरीय 'कांवड़ समिति' का पुनर्गठन किया है। दिल्ली सरकार के संस्कृति और कानून मंत्री कपिल मिश्रा को इस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच विधायकों को बतौर सदस्य इसमें शामिल किया गया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पर दी जानकारी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि उच्च स्तरीय कांवड़ समिति का पुनर्गठन किया गया है। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जबकि अजय माहवार, अनिल शर्मा, करनैल सिंह, संजय गोयल और उमंग बजाज को इस समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है।

कावड़ शिविरों को दी जाएगी विशेष सहायता

मुख्यमंत्री का कहना है कि दिल्ली सरकार इस बार भी शिवभक्तों के लिए सम्मानजनक एवं बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। इसके लिए कांवड़ शिविरों को विशेष सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल एक पारंपरिक धार्मिक आयोजन मात्र नहीं है,

मुंबई में बारिश, प्री मॉनसून से बांद्रा खार, सांताक्रूज, अंधेरी, वर्सोवा में खूब बरसा पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। तेज धूप और चिलचिलाती गर्मी से मुंबईवालों को राहत मिली है। रविवार को छुट्टी के दिन मुंबई और आस-पास इलाकों में बारिश से चलते मौसम सुहाना हो गया है। मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे और रायगढ़ के कुछ हिस्सों के साथ ही पालघर में बादल छा गए। सुबह की शुरुआत में गर्मी और उमस ने जोर पकड़ा। लेकिन कुछ ही देर के बाद बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने लगीं। हालांकि कुछ ही देर की बारिश ने बीएमसी के कामों को पोल खोल कर रख दी। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। सड़कों पर भारी जाम भी देखा गया। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मुंबई में रविवार सुबह मॉनसून-पूर्व व्यापक बारिश हुई जिससे पिछले कुछ दिनों से गर्मी और उमस से प्रभावित शहर को राहत मिली। मुंबई, इसके पश्चिमी उपनगर और पूर्वी उपनगर समेत कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई जिससे कुछ इलाकों में जलजमाव की सूचना मिली। पड़ोसी नवी मुंबई के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई। दादर, माटुंगा, खार, चेंबूर, मानखुर्द, कुर्ला, सांताक्रूज, विले पार्ले, अंधेरी और वर्सोवा उपनगरों में पिछले एक-दो घंटों में भारी बारिश हुई। जलजमाव के कारण यातायात धीमा हो गया जिससे कुछ क्षेत्रों में वाहन चालकों और यात्रियों को असुविधा हुई। बारिश और एक दुर्घटना के कारण सायन-पनवेल राजमार्ग के वाशी की ओर जाने वाले मार्ग पर भारी यातायात जाम लग गया। अचानक हुई भारी वर्षा से बचने के लिए कई दोपहिया वाहन चालक फ्लाईओवर, स्काईवॉक और दुकानों के शेड के नीचे शरण लेते दिखे। तत्काल किसी बड़ी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली, जबकि नगर निगम के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

12वीं की छात्रा से रेप, घर और होटल में बनाए शारीरिक संबंध, गर्भवती होने पर खुला राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र राज्य के नागपुर के मानकापुर में नाबालिग छात्रा से रेप का मामला. तबीयत बिगड़ने और गर्भवती होने पर अस्पताल में हुआ खुलासा. पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी विवान खांडेकर गिरफ्तार... नागपुर से एक बेहद गंभीर और विचलित करने वाला मामला सामने आया है, जहां 17 साल की छात्रा को शादी का झांसा देकर लगातार रेप करने की घटना उजागर हुई है. छात्रा के गर्भवती होने और तबीयत बिगड़ने के बाद यह पूरा मामला प्रकाश में आया. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मानकापुर थाना पुलिस के अनुसार, पीड़िता की उम्र 17 वर्ष है और वह 12वीं कक्षा की छात्रा है. मानकापुर निवासी 20 वर्षीय आरोपी विवान खांडेकर और पीड़िता पिछले तीन वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे. शुरुआत में दोनों के बीच दोस्ती हुई, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने पीड़िता को प्रेम जाल में फंसाया और शादी का झांसा दिया. आरोपी ने पहले पीड़िता के घर पर ही उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए. यह सिलसिला कई महीनों तक चलता रहा. इसके बाद, एक दिन आरोपी पीड़िता को गोरेवाड़ा स्थित एक होटल में ले गया. वहां उसने अपनी नौकरी लगने के बाद जल्द ही विवाह करने का झूठा वादा दोहराया और दोबारा उसके साथ दुष्कर्म किया. हाल ही में जब नाबालिग पीड़िता की तबीयत अचानक बहुत ज्यादा बिगड़ गई, तो चिंतित परिजन उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे. डॉक्टरों ने जब छात्रा की चिकित्सीय जांच की, तो उसके गर्भवती होने की बात सामने आई. चूंकि मामला नाबालिग से जुड़ा था, इसलिए डॉक्टरों ने कानूनी प्रक्रिया के तहत तुरंत मानकापुर पुलिस को मामले की सूचना दी. इस खुलासे से स्तब्ध परिजनों ने जब पीड़िता को विश्वास में लेकर पूछताछ की, तो उसने आपबीती सुनाते हुए आरोपी विवान खांडेकर का नाम उजागर किया.

आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड

मानकापुर थाने के इंस्पेक्टर हरेश कालसेकर ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि परिजनों की शिकायत और अस्पताल से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की दुष्कर्म से संबंधित धाराओं और पोक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी विवान खांडेकर पहले से ही आपराधिक प्रवृत्ति का रहा है

फर्जी स्टूडेंट, चेहरे पर परेशानी और QR कोड... मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़े गए शातिर जालसाज की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। एक युवक... हाथ में मोबाइल, चेहरे पर परेशानी और जुबान पर मदद की गुहार. वह खुद को छात्र बताता, टिकट रद्द होने की कहानी सुनाता और सामने वाला उसके खाते में पैसे भेज देता. लेकिन यह कोई मजबूर यात्री नहीं, बल्कि देशभर के एयरपोर्ट पर ठगी करने वाला शातिर जालसाज था. मुंबई पुलिस ने अब उस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. एयरपोर्ट पर अक्सर लोग जल्दी में होते हैं. कोई फ्लाइट पकड़ने की दौड़ में होता है, तो कोई सफर की थकान में. इसी भीड़ में एक युवक भी दिखाई देता था. चेहरे पर परेशानी, जुबान पर मदद की गुहार और कहानी ऐसी कि सामने वाला आसानी से भरोसा कर ले. वह खुद को कॉलेज का छात्र बताता था. कहता था कि फ्लाइट टिकट रद्द हो गया है, घर लौटना है, लेकिन पैसे नहीं हैं. फिर मदद की अपील करता था. कई यात्री उसकी बातों में आ जाते और यूपीआई के जरिए पैसे ट्रांसफर कर देते. लेकिन रकम मिलते ही यह 'बेचारा छात्र' गायब हो जाता था. अब मुंबई के सहार एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन ने इस शातिर को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के गुंटूर निवासी मोंडोल वेंकट दिनेश कुमार के रूप में हुई है. पुलिस का कहना है कि उसके खिलाफ देश के अलग-अलग एयरपोर्ट थानों में 10 से ज्यादा धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं. 21 मई 2026 को मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के बाहर आरोपी ने एक यात्री को अपनी कहानी सुनाई. उसने दावा किया कि वह नागपुर के एक कॉलेज का छात्र है और उसका टिकट रद्द हो गया है. नया टिकट खरीदने के लिए उसे पैसों की जरूरत है. भावनात्मक कहानी सुनकर यात्री ने क्यूआर कोड के जरिए 19,600 रुपये ट्रांसफर कर दिए. आरोपी ने पैसे लौटाने का वादा किया, लेकिन बाद में शिकायतकर्ता का नंबर ही ब्लॉक कर दिया. इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के जरिए आरोपी की तलाश शुरू की. जांच में पता चला कि वह जिन मोबाइल नंबरों और क्यूआर कोड का इस्तेमाल करता था, वे दूसरे लोगों के नाम पर थे. आरोपी लगातार शहर, मोबाइल नंबर और ठिकाने बदलता रहता था. तकनीकी निगरानी से पुलिस को पता चला कि पिछले 15 दिनों में वह नागपुर, भोपाल, लखनऊ, वाराणसी और हैदराबाद जैसे शहरों में था. 28 मई को सूचना मिली कि वह फिर मुंबई पहुंचा है. इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाया और टर्मिनल-2 के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया.

मजबूरी की कहानी सुनाकर ऐंठ लेता था रुपये

पुलिस ने आरोपी के पास से तीन मोबाइल फोन, 16 सिम कार्ड, तीन फर्जी आधार कार्ड, फर्जी कॉलेज आईडी और नकदी बरामद की है. बरामद सामान की कुल कीमत करीब 2.05 लाख रुपये है. पुलिस ने जब जांच की तो सामने आया कि आरोपी के खिलाफ दिल्ली, बेंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी, कन्नूर और मुंबई समेत कई शहरों के एयरपोर्ट थानों में मामले दर्ज हैं. उसके खिलाफ 10 से अधिक आपराधिक मामले हैं.

'तलाकशुदा हूं, तुमसे शादी करूंगा...' मैट्रिमोनियल ऐप पर महिला को दिया झांसा, रेप किया और 15 लाख रुपये भी ऐंठे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एक मैट्रिमोनियल ऐप... आकर्षक प्रोफाइल... शादी के वादे और भरोसे से भरी लंबी बातचीत. सब कुछ किसी परफेक्ट रिश्ते की शुरुआत जैसा लग रहा था. लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आया, जब सपनों के इस रिश्ते के पीछे छिपी सच्चाई सामने आने लगी. आरोप है कि जिस शख्स से महिला शादी के सपने देख रही थी, उसने उससे 15 लाख रुपये ऐंठ लिए, झूठ पर झूठ बोले और आखिरकार मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया. शादी की तलाश में मैट्रिमोनी ऐप पर प्रोफाइल बनाना आज आम बात है. लोग उम्मीद करते हैं कि यहां उन्हें अपना जीवनसाथी मिलेगा. लेकिन नागपुर की एक महिला के लिए यही तलाश एक ऐसे अनुभव में बदल गई, जिसने उसे पुलिस थाने तक पहुंचा दिया. कहानी की शुरुआत मैट्रिमोनियल ऐप से होती है. यहां 31 साल की महिला का संपर्क राघवेंद्र किशोर नाम के एक शख्स से हुआ. बातचीत शुरू हुई, रिश्ता आगे बढ़ा और भरोसा भी. महिला का आरोप है कि राघवेंद्र ने खुद को तलाकशुदा बताया और दावा किया कि उसकी पहली पत्नी अब इस दुनिया में नहीं है. यहीं से कहानी आगे बढ़ी, जिसमें शादी के वादे थे, भविष्य के सपने थे और भरोसे की नींव पर खड़ा एक रिश्ता था. महिला का आरोप है कि आरोपी ने शादी का भरोसा दिलाया और धीरे-धीरे आर्थिक मदद मांगना शुरू कर दिया. कभी नई जिम खोलने की बात कही गई, कभी कारोबार शुरू करने के लिए पैसों की जरूरत बताई गई. रिश्ता आगे बढ़ रहा था, इसलिए महिला ने भी मदद की. आरोप है कि अलग-अलग बहानों से उससे कुल 14 लाख 80 हजार रुपये ले लिए गए. शिकायत के मुताबिक, समय बीतने के साथ महिला को कई बातें संदिग्ध लगने लगीं. जिस व्यक्ति को वह अपना होने वाला पति समझ रही थी, उसके दावों पर सवाल खड़े होने लगे. आरोप है कि बाद में पता चला कि आरोपी ने अपनी पहली पत्नी के बारे में झूठी जानकारी दी थी. महिला का कहना है कि शादी का भरोसा देकर उसके साथ रेप किया. जब उसने शादी और पैसों को लेकर जवाब मांगा तो उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा. शिकायत में मारपीट के आरोप भी लगाए गए हैं. लगातार परेशान रहने के बाद महिला ने नागपुर के यशोधरा नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई.

जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को किया अरेस्ट

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की. जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी राघवेंद्र किशोर अवस्थी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या आरोपी ने इसी तरह किसी और महिला को भी निशाना बनाया था. उसके आर्थिक लेनदेन, बैकग्राउंड और महिला से लिए गए पैसों की भी जांच की जा रही है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

दूध मांगने पर हैवान बना पिता, पीट-पीट कर 4 साल के मासूम की कर दी हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पवई. मुंबई के पवई इलाके से एक ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है. यहां महज चार साल के एक मासूम बच्चे की जान उसके अपने पिता के हाथों चली गई. आरोप है कि दूध के लिए रो रहे बच्चे पर पिता को इतना गुस्सा आया कि उसने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी और फिर उसे दरवाजे पर पटक दिया. गंभीर चोट लगने से बच्चे की मौत हो गई.

14 दिनों से मायके गई थी पत्नी

पुलिस के मुताबिक घटना पवई के गौतमनगर इलाके में गुरुवार तड़के करीब पांच बजे हुई. मृतक बच्चे की पहचान चार वर्षीय यश के रूप में हुई है. यश एक स्पेशल चाइल्ड था और परिवार का इकलौता बेटा था. घटना के समय घर में केवल यश और उसका पिता राजेश सिंह मौजूद थे. बच्चे की मां पिछले करीब 14 दिनों से अपने मायके गई हुई थी. बताया जा रहा है कि राजेश सिंह शराब का आदी है और कोई स्थायी काम नहीं करता था. परिवार का खर्च उसकी पत्नी घरों में काम करके चलाती थी. घटना वाले दिन यश ने अपने पिता से दूध मांगा. जब उसे समय पर दूध नहीं मिला तो वह रोने लगा. आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर राजेश ने बच्चे की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी. गुस्से में उसने मासूम को उठाकर दरवाजे पर पटक दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई. मासूम की हालत बिगड़ने पर उसे बचाने की कोई कोशिश नहीं की गई. बाद में उसकी मौत हो गई. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी सिर में गंभीर चोट और फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई है. रिपोर्ट ने साफ कर दिया कि बच्चे की मौत सिर पर लगी घातक चोटों के कारण हुई. घटना के बाद आरोपी राजेश अपनी बहन के घर पहुंचा और उसे बताया कि उसने अपने बेटे की पिटाई की है.

आरोपी पिता को भेजा गया पुलिस हिरासत में

यह सुनकर बहन तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. वहां की स्थिति देखकर वह स्तब्ध रह गई. इसके बाद उसने बिना देर किए पवई पुलिस स्टेशन पहुंचकर मामले की जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई. सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया. उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे 1 जून तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है. पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है. इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर घरेलू हिंसा, शराब की लत और बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. जिस बच्चे को पिता की गोद में सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करना चाहिए था, उसी पिता के हाथों उसकी जिंदगी का अंत हो गया. यश की मौत ने पूरे इलाके को गम और सदमे में डुबो दिया है.

एमसीडी में 'मेजरमेंट बुक' का अकाल, भगवान भरोसे चल रहे हजारों काम, क्वॉलिटी पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। एमसीडी में पिछले 4-6 महीने से मेजरमेंट बुक का भारी अकाल पड़ा हुआ है। मेजरमेंट बुक न होने की वजह से संबंधित डिविजनों (मेंटिनेंस) के तहत चल रहे हजारों कामों की मेजरमेंट बुक में एंट्री नहीं हो पा रही है। जब मेजरमेंट बुक में एंट्री ही नहीं हो पा रही है तो संबंधित डिविजनों में कॉन्ट्रैक्टर जितने भी काम कर रहे हैं उनकी कोई निगरानी नहीं हो रही है। इसका सीधा असर काम की क्वॉलिटी पर पड़ेगा।

एमसीडी के पास खुद की प्रिंटिंग प्रेस

सूत्रों का कहना है कि यह स्थिति तो तब है जबकि एमसीडी को मेजरमेंट बुक किसी बाहरी प्रिंटर से नहीं छपवानी, बल्कि सिविल लाइन स्थित अपनी ही प्रिंटिंग प्रेस पर छापनी है। बावजूद इसके पिछले कई महीनों से डिविजनों में मेजरमेंट बुक उपलब्ध नहीं हो पा रही। दिल्ली सरकार की ओर से सड़कें, गलियां और कॉलोनियों की टूटी पुलिया आदि बनाने के लिए भरपूर फंड उपलब्ध कराया हुआ है।

MCD के 12 जोनों में चल रहे विकास कार्य

वॉर्ड वाइज काम कराने के लिए संबंधित जोन की डिविजनों द्वारा टेंडर मांगे जाते हैं। टेंडर अलॉट होने के बाद जब कॉन्ट्रैक्टर काम शुरू करता है उसी दिन से मेजरमेंट बुक में एंट्री करने का काम शुरू हो जाता है। एमसीडी के 12 जोनों के तहत आने वाली मेंटिनेंस डिविजनों में हजारों काम चल रहे हैं। किसी वॉर्ड में कॉलोनी के अंदर ही सड़कें बनाने का काम चल रहा है तो कहीं पर गलियों के साथ-साथ नालियों को बनाया जा रहा है। इसके अलावा जिन कॉलोनियों में पुलिया टूटी हुई थी उन्हें भी दोबारा बनाया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि कॉन्ट्रैक्टर जब काम शुरू करता है

शालीमार बाग में सुबह-सुबह चला बुलडोजर, सड़क चौड़ीकरण के लिए तोड़े गए 150 घर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शालीमार। दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में रविवार सुबह सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत करीब 150 मकानों को हटाने के लिए बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया. कार्रवाई से पहले भारी पुलिस बल और अर्धसैनिक जवानों की तैनाती की गई. प्रभावित लोगों को 30 मई तक मकान खाली करने का नोटिस दिया गया था. कई निवासी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचे, लेकिन राहत नहीं मिली. दिल्ली के नॉर्थ-वेस्ट जिले के शालीमार बाग इलाके में रविवार सुबह बड़े स्तर पर ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया. सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत प्रशासन ने करीब 150 मकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू की. अभियान को लेकर इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को मौके पर तैनात किया गया है, ताकि किसी भी तरह के बवाल की स्थिति से निपटा जा सके.

ध्वस्तीकरण से पहले मकान मालिकों को जारी किया गया था नोटिस

जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई उस सड़क को चौड़ा करने के लिए की जा रही है जो आउटर रिंग रोड को आजादपुर मंडी से जोड़ती है. प्रशासन का कहना है कि सड़क चौड़ी होने से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर और आजादपुर मंडी के बीच सीधा और बेहतर संपर्क स्थापित होगा, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार आएगा व जाम की समस्या कम होगी. स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित मकान मालिकों को पहले ही नोटिस जारी कर दिया था. नोटिस में 30 मई तक मकानों को खाली करने के निर्देश दिए गए थे. निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद रविवार सुबह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई. कुछ लोगों ने प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए पहले ही अपने घर खाली कर दिए थे और सामान भी निकाल लिया था. हालांकि, कई मकानों में अब भी लोगों का सामान मौजूद बताया जा रहा है.

तारीख पर तारीख अब और नहीं, कोर्ट में ताबड़तोड़ हो रहा इंसाफ; ट्रायल और न्याय के लिए पुलिस ने भी कसी कमर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: शाहबाद डेयरी में 1 मई की रात पीड़ित ने पर्स छीनते हुए झपटमार को रंगेहाथ पकड़ा। पुलिस ने तेजी से जांच कर 6 मई को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। कोर्ट ने तारीख पर तारीख वाले फिल्मी जुमले को दरकिनार करते हुए रोजाना सुनवाई की और 16 मई को फैसला सुना दिया।

पुलिस कमिश्नर ने दिए निर्देश

महज दो हफ्ते में आरोपी दोषी करार दिया गया, जो दिल्ली पुलिस के लिए एक नजीर बन गई। पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा ने सभी जिलों को ऐसे ही स्पीडी इन्वेस्टिगेशन, स्पीडी ट्रायल और स्पीडी जस्टिस पर काम करने के निर्देश दे दिए, जिस पर अमल होने लगा है।

दो हफ्ते में चार्जशीट दाखिल करने को कहा गया

पुलिस अफसरों के मुताबिक, रंगेहाथ पकड़े गए आरोपियों के अलावा जिन केसों में संभव हो सके उनमें एक से लेकर दो हफ्ते के भीतर चार्जशीट दाखिल करने को कहा गया है। इसके बाद प्रॉसिक्यूशन (सरकारी वकील) के साथ तालमेल कर फास्ट ट्रैक सुनवाई सुनिश्चित करने और जल्द से जल्द दोषी साबित करने पर जोर दिया गया है। दरअसल सात साल से कम सजा वाले अधिकतर केसों में आरोपी को जमानत मिल जाती है। ऐसे में जांच अधिकारी के सामने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने की समयसीमा का बंधन नहीं रहता है। अफसर कहते हैं कि इसके बाद कोर्ट में भी ऐसे केसों की सुनवाई कई साल तक चलती है। इससे शिकायतकर्ता या गवाह के मुकरने या बयानों में विरोधाभास होने से आरोपी को सजा नहीं हो पाती है।

पर्यटकों से भरी कार चंबा की खाई में गिरी, 8 की मौत

-होटल प्रबंधन ने पुलिस को दी थी सूचना

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर पर्यटकों से भरी एक एर्टिगा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्यों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना 29 मई की आधी रात को घटित हुई। हादसे के बाद से ही कार में सवार सभी लोग लापता थे और उनके बचने की उम्मीद न के बराबर थी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा मौके पर सघन खोज से पता चला की 8 की मौत हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले दो परिवारों के सात लोग हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां बिताने और घूमने के लिए आए थे। ये सभी पर्यटक चंबा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डलहौजी के एक होटल में ठहरे हुए थे। 29 मई की सुबह वे सभी गाड़ी किराये पर लेकर साच पास की तरफ साइट सीन (घूमने) के लिए निकले थे। तय कार्यक्रम के अनुसार पर्यटकों को उसी दिन शाम तक वापस डलहौजी के होटल में लौटना था, जहाँ उन्होंने एडवांस बुकिंग करा रखी थी। जब देर रात तक भी पर्यटक वापस होटल नहीं लौटे और होटल प्रबंधन का उनसे किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो सका, तो उन्होंने अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने होटल प्रबंधन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल लोकेशन और रास्तों की कड़ियों को जोड़ते हुए तलाश शुरू की, जिसके बाद इस भीषण हादसे का पता चला।

गुरुग्राम की ओम साईंराम फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का माल स्वाहा

गुरुगांव (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में मुशदपुर-खुरमपुर गांव के पास स्थित ओम साईराम फैक्ट्री में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1:40 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि उसने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में उठती आग की गगनचुंबी लपटों और धुएं के गुबार से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। राहत की बात यह है कि रात का समय होने के कारण फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान टल गया। फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को रात 1:40 बजे इस हादसे की सूचना मिली। शुरुआत में पटौदी फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुँची, लेकिन हालात बेकाबू देखकर तुरंत अन्य फायर स्टेशनों से अतिरिक्त मदद मांगी गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मानेसर, भीम नगर, सेक्टर-37 और सेक्टर-29 सहित कुल छह फायर स्टेशनों से 8 फायर टेंडरों (गाड़ियों) को काम पर लगाया गया। फायर कर्मियों ने फैक्ट्री को चारों तरफ से घेरकर घंटों तक पानी की बौछारें कीं, लेकिन रविवार सुबह तक भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। आग लगने की असली वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन शुरुआती तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट का नतीजा माना जा रहा है। इस भीषण अग्निकांड में फैक्ट्री की इमारत के साथ-साथ भीतर रखा कीमती कच्चा माल, तैयार उत्पाद और मशीनें जलकर पूरी तरह खाक हो गई हैं। आशंका है कि इस हादसे में करोड़ों रुपये का भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने और कूलिंग का काम संपन्न होने के बाद फैक्ट्री के भीतर सर्च अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं और फैक्ट्री मालिक से सुरक्षा मानकों व एनओसी से जुड़े दस्तावेज भी तलब किए गए हैं।

मेघालय में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप, जानमाल सुरक्षित

ईस्ट गैरो हिल्स (एजेंसी)। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने रविवार सुबह मेघालय के पश्चिमी खासी हिल्स जिले में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया। सुबह 6:50 बजे आए इन झटकों से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप का केंद्र पश्चिम खासी हिल्स में 10 किलोमीटर की गहराई में था, जो चेरापूंजी से लगभग 77 किलोमीटर डब्ल्यूएनडब्ल्यू दिशा में स्थित था। चूंकि इसकी तीव्रता कम और गहराई उथली थी, इसलिए इसका प्रभाव सीमित रहा और स्थानीय लोगों ने मामूली कंपन ही महसूस किया। किसी भी क्षति या हानि की कोई रिपोर्ट नहीं है। इससे कुछ घंटे पहले एनसीएस ने ताजिकिस्तान में 5.2 तीव्रता का मध्यम भूकंप भी दर्ज किया था, जिसका केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई में था। भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर उत्तर-पूर्वी भारत, सक्रिय फॉल्ट लाइनों पर होने के कारण भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील है। यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन प्लेटों की टेक्टॉनिक गतिविधियों के कारण अक्सर कंपन महसूस करता है। मेघालय में 1897 में आया 8.1 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

दिल्ली में तीन मंजिला इमारत ढही, एक की मौत, आठ घायल

- दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके का मामला, इमारत में चल रहे थे कोचिंग संस्थान और कैफे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां सैदुलजाब के वेस्टर्न मार्ग पर एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इस दर्दनाक घटना में 26 वर्षीय एक युवक की जान चली गई, जबकि आठ अन्य लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, यह हादसा शनिवार देर शाम को हुआ, जब एक व्यस्त व्यावसायिक भवन ढह गया। इस इमारत में एक कोचिंग संस्थान, कैफे और कई कार्यालय संचालित हो रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय इसकी ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य जारी था, जिससे इमारत की संरचनात्मक अखंडता प्रभावित हुई हो सकती है। इमारत पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और उसका मलबा पास में स्थित टिन शेड वाली कैंटीन पर जा गिरा, जहां मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र अक्सर आते-जाते थे। मृतक की पहचान 26 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। घायलों में गुरुग्राम निवासी तरुण कुमार (26), बिहार के मोतिहारी निवासी साइका खान (27) और सैदुलजाब निवासी नीलम यादव (25) सहित आठ अन्य लोग शामिल हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित विभिन्न एजेंसियों तथा स्थानीय निवासियों ने मिलकर व्यापक बचाव अभियान चलाया और सभी घायलों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

सीबीएसई छात्रों से मिले राहुल गांधी, परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर उठाए सवाल

-बच्चों से मुलाकात का वीडियो किया साझा और बोले— सवाल पूछने वाले छात्रों को जवाब की जगह अपमान मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर छात्रों से बातचीत की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए दावा किया कि अपनी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने वाले छात्रों को समाधान के बजाय आलोचना और अपमान का सामना करना पड़ा। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया।

साझा किए गए वीडियो में राहुल गांधी कुछ छात्रों से परीक्षा परिणामों और उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। इनमें वेदांत नामक छात्र भी शामिल है, जिसने पहले अपनी उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में कथित त्रुटि का मुद्दा उठाया था। छात्र का दावा है कि जब उसने अपनी फिजिक्स की उत्तरपुस्तिका की प्रति प्राप्त की, तो उसमें उसकी लिखावट नहीं थी और किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका उससे संबद्ध दिखाई गई थी।

वीडियो में वेदांत ने बताया कि परीक्षा अच्छी होने के बावजूद अपेक्षा से कम अंक मिलने पर उसने उत्तरपुस्तिका की कॉपी मंगाई। दस्तावेज देखने पर उसे अपनी लिखावट नहीं मिली, जिसके बाद उसने इस मामले को सार्वजनिक किया। छात्र ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को उठाने के बाद उसे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा और उसे आपत्तिजनक टिप्पणियों का निशाना बनाया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वीडियो साझा करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि उन्होंने अपने 'देशद्रोही' और 'सोरोस एजेंट' कहे जाने वाले साथियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये छात्र प्रतिभाशाली और साहसी युवा हैं, जिन्होंने केवल अपनी समस्याओं को लेकर सवाल पूछे, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सुरक्षित भविष्य मिलना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

बातचीत के दौरान कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रश्न उठाने पर उन्हें 'एंटी नेशनल' या 'डीप स्टेट एजेंट' जैसे शब्दों से संबोधित किया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान तभी संभव है जब उसे स्वीकार किया जाए। उनका कहना था कि समस्याओं को स्वीकार करने के बजाय छात्रों को ही दोषी ठहराना उचित नहीं है।

हालांकि, राहुल गांधी ने अभी केवल बातचीत का एक अंश ही साझा किया है और पूरी चर्चा सार्वजनिक नहीं की है। इस बीच परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों की पारदर्शिता को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

दक्षिण भारत में मानसून की दस्तक, 3-4 जून तक पहुंच सकता है केरल-तमिलनाडु

- व्यापक बारिश के साथ तापमान में कमी की संभावना, कई जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी

चेन्नई (एजेंसी)। । क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के ताजा अनुमान के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून 3 या 4 जून तक केरल, तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में दस्तक दे सकता है। इसके आगमन से दक्षिणी राज्यों में व्यापक बारिश होने और धीरे-धीरे तापमान में कमी आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून पहले ही 30 मई तक अरब सागर, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। अगले तीन से चार दिनों में इसके और प्रगति करने के लिए मौसमी परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, 1 जून तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। शनिवार को चेन्नई में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहा और तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। विभाग ने अनुमान जताया है कि 2 जून से मानसूनी गतिविधियों के बढ़ने के साथ तापमान सामान्य स्तर पर लौटने लगेगा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, डिंडीगुल, थेनी, करूर, तिरुचिरापल्ली, नमक्कल, इरोड, सलेम समेत तमिलनाडु के कई पश्चिमी और दक्षिणी जिलों तथा पुडुचेरी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की भी संभावना है। 1 और 2 जून को भी भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है, खासकर थेनी और तेनकासी जैसे जिलों में। शनिवार को तिरुनेलवेली जिले के ऊथू और नालुमुक्कू, इरोड के अम्मापेट्टई और कोयंबटूर के थोलमपालायम में सबसे अधिक 7 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो मानसून पूर्व अच्छी गतिविधि का संकेत है।

सम्राट सरकार को रोहिणी की चुनौती, अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए

पटना,(एजेंसी)। पटना में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर आवास को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार द्वारा 15 दिनों में बंगला खाली करने के आदेश के बाद राबड़ी और उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने बिहार सरकार को सीधी चुनौती दी है। रोहिणी आचार्य ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध, सत्ता के अहंकार बताया।

खुद राबड़ी देवी ने साफ कहा था कि वह घर खाली नहीं करेंगी, और सरकार चाहे, तब उन्हें बलपूर्वक बेदखल कर सकती है। गौरतलब है कि वे एक दशक से अधिक समय से इस आवास में रह रही हैं, जिसे पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते पिछली नीतीश कुमार सरकार ने उन्हें आवंटित किया था।

यह सरकारी बंगला वर्तमान में दुग्ध एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। भवन निर्माण विभाग की मंत्री और जद (यू) की वरिष्ठ नेता लेशी सिंह ने विवाद पर कहा कि बंगलों का आवंटन सरकार का विशेषाधिकार है और कोई भी व्यक्ति किसी बंगले पर अपना अधिकार नहीं जता सकता। उन्होंने राबड़ी देवी को विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर आवंटित 39 आवास में स्थानांतरित होने की सलाह दी। वहीं, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भी मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री से मां समान राबड़ी देवी का अपमान न करने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री चौधरी को अहंकार छोड़कर बदले की राजनीति से बचने और आवंटित मंत्री को कोई दूसरा आवास देने का सुझाव दिया। इस तरह, राबड़ी आवास का यह विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में बदलता दिख रहा है।

महंत शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख, मठ प्रशासन सरकार अलग नहीं कर सकती: सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि किसी भी आश्रम या मठ का महंत अपने शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख होता है, जिसका पद और संपत्ति से जुड़े प्रशासनिक कार्य एक-दूसरे से अविभाज्य हैं। जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस एस एस चंदूरकर की पीठ ने जोर दिया कि मठाधीश के धार्मिक और सांसारिक कार्यों को सरकार अलग नहीं कर सकती, क्योंकि महंत पद में आध्यात्मिक दायित्व और संपत्ति का प्रबंधन दोनों ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि धर्मनिरपेक्ष कार्यों को स्थायी रूप से सरकारी अधिकारियों को सौंपना संविधान के अनुच्छेद-26 और महंत पद की मूल अवधारणा का उल्लंघन है। मठाधिपति केवल एक प्रशासनिक अधिकारी नहीं होता, बल्कि वह अपने शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख और मार्गदर्शक होता है। यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थित ऐतिहासिक 'श्री स्वामी हाथीरामजी मठ' के मठाधिपति अर्जुन दास को पद से हटाने और मठ के प्रशासन के लिए सरकारी प्रशासक की नियुक्ति के आंध्र प्रदेश सरकार के फैसले को रद्द करते हुए आई।

शीर्ष अदालत ने उडुपी शहर में मौजूद शिरूर मठ मामले में दिए अपने ऐतिहासिक निर्णय का हवाला दिया। कोर्ट ने कि महंत पद की अवधारणा में पद और संपत्ति, कर्तव्यों और व्यक्तिगत हितों दोनों के तत्व आपस में इस तरह से घुले-मिले होते हैं कि इनमें से किसी को भी दूसरे से अलग नहीं कर सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि महंत केवल मठ की सांसारिक संपत्तियों का प्रबंधक

मात्र नहीं होता, बल्कि वह शिष्यों के एक समुदाय का आध्यात्मिक प्रमुख और श्रेष्ठ होता है, जिसे आंध्र प्रदेश धर्मार्थ और हिंदू धार्मिक संस्थाएं और बंदोबस्ती अधिनियम, 1987 द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। पीठ ने कहा कि कोई भी ऐसी व्यवस्था जो किसी मठाधीश के धार्मिक कार्यों को उसके प्रशासनिक और धर्मनिरपेक्ष कार्यों से स्थायी रूप से अलग करने का प्रयास करती है, या बाद वाले कार्यों को किसी अन्य व्यक्ति को अनिश्चित काल के लिए सौंपती है, भले ही वैध मठाधिपति अपने पद पर बना रहे, वह महंत पद की मूल अवधारणा का ही खंडन मानी जाएगी।

रेप पीड़िता को गर्भपात की अनुमति : हाईकोर्ट ने कहा प्रजनन अधिकारों का सम्मान जरूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में 16 वर्षीय रेप पीड़िता को गर्भपात कराने की इजाजत दे दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी महिला को अपने शरीर और प्रजनन संबंधी निर्णय लेने का पूरा अधिकार है, इस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त जीवन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान, विशेष लोक अभियोजक सविता पाठक ने पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में सामने आया कि पीड़िता करीब सात सप्ताह की जुड़वा बच्चों की गर्भावस्था से गुजर रही थी, जिसमें 19 मार्च को प्रयागराज के महिला अस्पताल में हुए अल्ट्रासाउंड में दोनों भ्रूण जीवित पाए गए थे। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू कनौजिया की पीठ ने सुनवाई कर महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता और प्रजनन संबंधी निर्णयों के सम्मान पर जोर दिया। इलाहाबाद की अदालत ने आदेश में कहा कि नाबालिगों और अनचाही गर्भावस्था से जुड़े मामलों में महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर अनावश्यक बाधाएं नहीं लगा सकतीं, क्योंकि ऐसा करना उनके संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने जैसा होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की कि पीड़िता के परिजनों ने 9 मई को ही जांच अधिकारी को गर्भावस्था की जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद गर्भपात की प्रक्रिया को लेकर समय पर कोई कदम नहीं उठाया गया। मामले की परिस्थितियों और पीड़िता की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अदालत ने गर्भपात की अनुमति को उचित ठहराया और संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को कानून के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राहुल ने अभिषेक का जाना हाल कहा- हैदराबाद में करा सकते हैं इलाज

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार देर रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें स्ट्रेचर के जरिए उनके घर ले जाया गया। हालांकि, घर पहुंचने के बाद अभिषेक के सीढ़ियां चढ़ने का एक वीडियो सामने आया है, जिसने राजनीतिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों को लगातार धमकियां दी जा रही थीं। वहीं दूसरी तरफ इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ममता बनर्जी से फोन पर बातचीत की। ममता ने बताया कि राहुल गांधी ने फोन कर अभिषेक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और कहा कि यदि किसी भी तरह की जरूरत पड़े, तो उन्हें सूचित करें। उन्होंने अभिषेक के लिए हैदराबाद में बेहतर इलाज की व्यवस्था कराने की पेशकश भी की।

मिंटो पार्क स्थित अस्पताल के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अभिषेक का इलाज अब घर पर ही कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पास एक पारिवारिक डॉक्टर हैं, जो घर पर ही इलाज की व्यवस्था संभालेंगे। अस्पताल को धमकियां मिलने के कारण वे सुचारू रूप से इलाज नहीं कर पा रहे थे। अभिषेक को सलाइन दी जा चुकी है और अब उनका आगे का उपचार घर पर ही जारी रहेगा। उन्होंने घटना की गंभीरता को रेखांकित करते हुए दावा किया कि जिस प्रकार की हिंसा और पत्थरबाजी हुई, उससे अभिषेक बनर्जी की जान भी जा सकती थी।

इस घटना को अत्यंत बर्बर करार देते हुए ममता ने कहा कि राज्य की राजनीति में ऐसा हिंसक व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि सीपीएम 34 साल तक सत्ता में रही, लेकिन उन्होंने भी कभी ऐसा कदम नहीं उठाया। आज जो कुछ भी हुआ, वह बेहद अमानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों, डॉक्टरों और आम लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है, जिसका जवाब राज्य की जनता ही देगी। उन्होंने कहा कि अभिषेक आज केवल जनता की शुभकामनाओं और समर्थन की वजह से सुरक्षित हैं। इस घटना के विरोध में तृणमूल कांग्रेस ने अब राजनीतिक आंदोलन तेज करने के संकेत दिए हैं। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि पार्टी कार्यकर्ता रविवार से ही विभिन्न विरोध कार्यक्रम शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दो तारीख से बड़े पैमाने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके तहत रानी रश्मोनी एवेन्यू सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर राजनीतिक प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। फिलहाल पार्टी नेताओं का कहना है कि अभिषेक बनर्जी की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

पटना एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से मिले 7 जिंदा कारतूस, मचा हड़कंप

मुंबई जाने की तैयारी में था यात्री, वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्री को तत्काल हिरासत में ले लिया और बाद में उसे एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार यात्री की पहचान महाराष्ट्र के पुणे जिले के फुरसुंगी निवासी संतोष तिवारी के रूप में हुई है। वह पटना से मुंबई जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग को स्कैनर से गुजारा गया, जहां संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की विस्तृत तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद हुए।

सुरक्षा अधिकारियों ने जब संतोष तिवारी से कारतूसों के संबंध में पूछताछ की और उनके वैध लाइसेंस या दस्तावेज मांगे, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसके पास कारतूस रखने या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने से संबंधित कोई अधिकृत दस्तावेज भी नहीं मिला। इसके बाद सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की गई, लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कारतूस उसके बैग में कैसे पहुंचे और उन्हें मुंबई ले जाने का उसका क्या उद्देश्य था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया तथा बरामद कारतूस और अन्य सामान को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

युवती के बैग से मिला कारतूस का खोखा

इसी दिन एयरपोर्ट पर एक अन्य घटना भी सामने आई। सुरक्षा जांच के दौरान एक युवती के बैग से कारतूस का एक खोखा बरामद हुआ। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की। युवती ने दावा किया कि उसे यह खोखा रास्ते में पड़ा मिला था और जिज्ञासावश उसने उसे उठाकर अपने बैग में रख लिया था। पुलिस दोनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इन घटनाओं के बीच कोई संबंध तो नहीं है।

बंगाल सीमा पर शुरू हुई फेंसिंग, किसान बोले- अब फसलें नहीं लूट पाएंगे घुसपैठिए

-मुर्शिदाबाद से कूचबिहार तक तेज हुआ सीमांकन और सुरक्षा ढांचे का काम

-45 दिनों में 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को देने का लक्ष्य

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के खुले और संवेदनशील इलाकों में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने कई स्थानों पर फेंसिंग और सुरक्षा ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीमावर्ती गांवों के लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे वर्षों पुरानी घुसपैठ और फसलों की चोरी जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा।

मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार क्षेत्र में जीरो लाइन पर स्थित सकारपाड़ा गांव इसका प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। करीब चार हजार की आबादी और ढाई हजार मतदाताओं वाले इस गांव की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है। गांव की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घरों के बाद खेत और खेतों के बाद सीधे बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। लंबे समय से यहां रहने वाले किसानों को सीमा पार से आने वाले लोगों द्वारा फसल नुकसान और अतिक्रमण की शिकायतों का सामना करना पड़ता रहा है।

ग्राम पंचायत के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि भारतीय किसानों को सुरक्षा कारणों से शाम पांच बजे के बाद खेतों में जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि सीमा पार से लोग कई बार खेतों में घुसकर फसलें काट ले जाते थे। उनका कहना है कि पिछले तीन दशकों में शायद ही कोई महीना ऐसा बीता हो, जब इस तरह के विवाद सामने न आए हों। अब फेंसिंग शुरू होने और बीएसएफ की निगरानी बढ़ने से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

किसानों को सुरक्षा मिलने का विश्वास

ग्रामीणों के अनुसार, बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल चेतावनी देते हैं। इससे किसानों को विश्वास मिला है कि उनकी मेहनत की फसल अब पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित रहेगी। नई सरकार के गठन के बाद राज्य प्रशासन ने सीमा सुरक्षा परियोजनाओं के लिए बीएसएफ को अब तक 27 किलोमीटर क्षेत्र की जमीन उपलब्ध कराई है। इनमें 18 किलोमीटर हिस्से में फेंसिंग और नौ किलोमीटर क्षेत्र में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित किए जाने की योजना है। फिलहाल जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलीगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों में काम शुरू किया गया है।

जमीन उपलब्ध कराने में मुर्शिदाबाद सबसे आगे

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद जिले में उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। राज्य सरकार ने अगले 45 दिनों के भीतर कुल 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है, ताकि सीमा पर कंटीले तारों की बाड़, चौकियां और अन्य सुरक्षा ढांचे विकसित किए जा सकें।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
01 जून 2026

आरबीआई, जीडीपी और वैश्विक आंकड़े तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की दिशा

पिछली गिरावट के बाद निवेशक सतर्क, जून के पहले हफ्ते में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर रहेगी पैनी नजर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ समाप्त किया, लेकिन निवेशकों की असली परीक्षा अब आने वाले सप्ताह में होगी। 1 जून से 5 जून के बीच कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़े और नीतिगत फैसले बाजार की चाल को निर्धारित करेंगे। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, देश की जीडीपी रिपोर्ट, पीएमआई आंकड़े और अमेरिका से आने वाले रोजगार संबंधी डेटा निवेशकों के लिए अहम साबित होंगे। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.85 फीसदी टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 0.72 फीसदी गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। अब बाजार की नजर अगले हफ्ते (1 जून से 5 जून) आने वाले कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत फैसलों पर रहेगी, जो बाजार की अगली दिशा तय करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में 1 जून को मई महीने के मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स आंकड़े जारी होंगे, जो देश की औद्योगिक गतिविधि का संकेत देंगे। इसी दिन ऑटो कंपनियों की बिक्री के आंकड़े भी आएंगे, जो उपभोक्ता मांग की तस्वीर स्पष्ट करेंगे। इसके बाद, 5 जून को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की आर्थिक वृद्धि दर का मूल्यांकन करेगा और निवेशकों को अर्थव्यवस्था की समग्र सेहत समझने में मदद करेगा। इस दौरान निवेशकों की सबसे बड़ी नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर होगी, जो 3 से 5 जून तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून की सुबह फैसलों का एलान करेंगे। बाजार बेसब्री से यह देखना चाहेगा कि क्या ब्याज दरों में कोई बदलाव होगा या दरों को स्थिर रखा जाएगा। यह फैसला बैंकिंग शेयरों और ऋण बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, 3 जून को अमेरिका से रोजगार और सर्विस सेक्टर से जुड़े अहम आंकड़े आएंगे, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत देंगे और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर कटौती की संभावनाओं पर असर डालेंगे। 5 जून को अमेरिका में बेरोजगारी दर के आंकड़े भी जारी होंगे। इसके अलावा, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका-ईरान संबंधों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी निवेशकों की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें भारतीय महंगाई दर को सीधे प्रभावित करती हैं। आने वाला सप्ताह भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है।

इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री, अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली ।

भारत ने अप्रैल 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की मांग (पेनेट्रेशन) के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री हुई। वाहन रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में भारत में बिकने वाली कुल नई कारों में से 5.8 प्रतिशत इलेक्ट्रिक थीं। यह आंकड़ा मार्च 2026 के 5.1 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल के सिर्फ 3.7 प्रतिशत से काफी अधिक है। नए-नए मॉडलों के बाजार में आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में यह तेजी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। इसके विपरीत, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कार बाजार अमेरिका में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी गिरकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। इस तरह, प्रतिशत के मामले में भारत ने इस बार अमेरिका को पछाड़कर बाजी मार ली है। हालांकि, अगर कुल बिक्री के आंकड़ों की बात करें तो भारत अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है, क्योंकि अमेरिका का कुल कार बाजार भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। अप्रैल में भारत में लगभग 23,500 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि अमेरिका में इसी दौरान लगभग 70,000 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। अमेरिका में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, उसके बाद जनरल मोटर्स, फोर्ड और हुंडई जैसी कंपनियां हैं।

पेट्रोल पर 1.5 और डीजल पर 13.50 रुपए की टैक्स कटौती करेगी सरकार

1 जून से लागू होंगी नई दरें, कच्चे तेल की नरमी के बीच सरकार का फैसला

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला 1 जून से प्रभावी होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी देखने को मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है, लेकिन इस कटौती का घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह केवल निर्यात पर लगने वाले कर में बदलाव है। सरकार की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले कर में 1.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। वहीं डीजल के निर्यात पर 13.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल के निर्यात पर 9.5 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। सरकार ने यह विशेष कर पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगाया था। आखिरी बार इसमें 16 मई को संशोधन किया गया था। घरेलू बाजार में रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों ने पिछली बार सोमवार को घरेलू स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी की थी। देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। देश के कई शहरों में पेट्रोल का दाम 110 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। हैदराबाद में यह 115 रुपये से भी अधिक है, जबकि कोलकाता में भी 1 लीटर पेट्रोल के लिए लोगों

को 110 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। सरकार ने पहले घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में भी कटौती की थी, जिसमें तब से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

त्रिवेणी इंजीनियरिंग का मुनाफा घटकर 167 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मुनाफा आठ प्रतिशत घटकर 167.45 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से गन्ने की लागत बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ घटा है।

कंपनी का 2024-25 की समान तिमाही में मुनाफा 183 करोड़ रुपये था। एकीकृत चीनी और एथनॉल उत्पादक कंपनी त्रिवेणी इंजीनियरिंग ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय घटकर 1,842.15 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,934.53 करोड़ रुपये थी। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 268.71 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 243.19 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय बढ़कर 7,697.03 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,865.58 करोड़ रुपये थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 16.64 लाख करोड़ के आंतरिक लेनदेन की मंजूरी मांगेगी

मुख्यतः जियो और रिटेल इकाइयों के बीच होंगे सौदे, पांच वित्त वर्षों तक चलेगा यह सिलसिला

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अगले पांच वित्तीय वर्षों के लिए 16.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक के विशाल आंतरिक लेनदेन को अपनी डिजिटल और खुदरा सहायक कंपनियों, जियो प्लेटफॉर्म्स और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ आगे बढ़ाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। यह प्रस्ताव आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में रखा जाएगा। कंपनी द्वारा दाखिल नोटिस के अनुसार इस प्रस्तावित लेनदेन का सबसे बड़ा हिस्सा रिलायंस रिटेल द्वारा रिलायंस जियो को दिया जाएगा, जो दूरसंचार सेवाओं की बिक्री के बदले में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। वित्तीय वर्ष 2027-28 में 2.20 लाख करोड़ रुपये और उसके बाद 2028-29 से 2031-32 तक प्रत्येक वर्ष 2.80 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन का अनुमान है। इसके अतिरिक्त रिलायंस जियो द्वारा दूरसंचार नेटवर्क विस्तार के लिए इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) आधार पर आरआईएल को 76,800 करोड़ रुपये का भुगतान भी प्रस्तावित है। आरआईएल ने स्पष्ट किया है कि यह कोई नया लेनदेन नहीं है, बल्कि मौजूदा मंजूर व्यवस्थाओं की निरंतरता है जिसके लिए शेयरधारकों की सहमति मांगी जा रही है।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित हलचल, सरसों-बिनौला चमके, सोया-पाम फिसले!

तिलहन उत्पादन पर संकट, धान की ओर बढ़ते किसानों पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में मई 2026 के अंतिम सप्ताह में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां एक ओर अचार कंपनियों की बढ़ती मांग और मंडियों में कमजोर आवक ने सरसों व बिनौला तेल की कीमतों को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर भारतीय रुपये की डॉलर के मुकाबले शानदार रिकवरी के चलते सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आगामी बरसात को देखते हुए अचार बनाने वाली कंपनियों की बढ़ी खरीदारी और सरसों की कमजोर आवक ने इसके दामों को मजबूत किया। इसी क्रम में, कपास की आवक घटने से बिनौला तेल की उपलब्धता प्रभावित हुई, जिससे इसकी कीमतों में भी सुधार आया। सरकार ने कपड़ा मिलों को राहत देने के लिए कपास पर लगने वाले 10 फीसदी आयात शुल्क को शून्य कर दिया है। इसके विपरीत, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की शानदार रिकवरी ने विदेशों से खाद्य तेलों का आयात सस्ता कर दिया। इस वजह से सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेलों में गिरावट दर्ज हुई। सरकार ने कच्चे पाम तेल और पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की, जबकि सोयाबीन डीगम तेल के शुल्क मूल्य में कमी की। महाराष्ट्र और तेलंगाना में नेफेड द्वारा सोयाबीन बेचने के लिए कम बोली वाली निविदाएं निरस्त कर दी गईं, जिसके बाद जानकारों ने किसानों के हित में अगले कुछ महीनों तक सोयाबीन की सीमित बिक्री की सिफारिश की है। मूंगफली तेल के दाम इस हफ्ते स्थिर बने रहे। यह फिलहाल आयातित सूरजमुखी तेल से सस्ता मिल रहा है, हालांकि इसका दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चल रहा है। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में एक मिली-जुली तस्वीर सामने आई जहां सरसों और बिनौला तेल के भावों में तेजी दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन और पाम तेल गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, बाजार विशेषज्ञों ने देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों के धान की ओर बढ़ते रुझान पर चिंता जताई है। बंद भावों के अनुसार, सरसों दाना 150 रुपए की तेजी के साथ 7,775-7,800 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

सरसों तेल (थोक) और बिनौला तेल में भी क्रमशः 50 और 75 रुपए प्रति क्विंटल का सुधार देखा गया। दूसरी ओर, सोयाबीन दाना 200 तक टूटकर 7,425-7,475 रुपए प्रति क्विंटल

रहा, जबकि सोयाबीन तेल में 100 से 140 रुपए तक की गिरावट आई। पाम ऑयल भी 25 से 125 रुपए तक फिसला। मूंगफली तेल स्थिर बना रहा। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि पारंपरिक तिलहन उत्पादक राज्यों में किसानों के धान की खेती की ओर मुड़ने के कारणों की गंभीरता से समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि इन मुद्दों को हल करके ही भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अदाणी समूह की नई उड़ान, कानूनी चुनौतियों से बाहर आकर ऊर्जा-डिजिटल इंफ्रा पर फोकस

गौतम अदाणी बोले- समूह ने अमेरिकी मामलों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को भेजे अपने वार्षिक पत्र में घोषणा की है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है। अब समूह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक और डिजिटल अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की गति बढ़ा रहा है, विशेषकर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली विशाल मांग को पूरा करने के लिए। गौतम अदाणी ने आश्वस्त किया कि पिछले वर्ष की चुनौतियों और गहन जांच-पड़ताल के बावजूद, समूह अपनी विस्तार रणनीति पर अडिग रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामले अब पीछे छूट चुके हैं, और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर केंद्रित है। अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को उन्होंने निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए अदाणी ने अवसंरचना और मेधा (इंटेलिजेंस) पर जोर दिया। उनका मानना है कि एआई के व्यापक उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, पारेषण नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक अवसंरचना में भारी निवेश आवश्यक होगा, क्योंकि एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है। समूह ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय किया है। प्रमुख उपलब्धियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा 5.1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़कर कुल 19 गीगावाट से अधिक करना और अदाणी पोर्ट्स द्वारा 50

करोड़ टन से अधिक कार्गो संभालना शामिल है। डिजिटल अवसंरचना में समूह ने 2030 तक दो गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के निर्माण की योजना बनाई है। अदाणी ने दोहराया कि समूह की पहचान चुनौतियों से नहीं, बल्कि उनके प्रति उसकी प्रतिक्रिया और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता से होती है।

रिलायंस एआई के दम पर बनेगा देश का अग्रणी मनोरंजन मंच

राजस्व में बंपर उछाल, कंटेंट निर्माण और अनुभव में एआई की मुख्य भूमिका

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने मीडिया और मनोरंजन कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को केंद्रीय भूमिका में शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य एआई के माध्यम से देश के हर उपभोक्ता के लिए प्रमुख मनोरंजन मंच बनना है। अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में आरआईएल ने कहा कि एआई मनोरंजन के अगले युग को परिभाषित करेगा और एक अग्रणी मीडिया मंच के रूप में रिलायंस की जिम्मेदारी है कि वह इस बदलाव का नेतृत्व करे। एआई का उपयोग केवल दक्षता बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि सामग्री बनाने, उपभोक्ता अनुभव और दर्शक जुड़ाव को मौलिक रूप से नया आकार देने के लिए किया जाएगा। कंपनी के मीडिया एवं मनोरंजन कारोबार, जिसमें जियोसावन, जियो स्टूडियोज और नेटवर्क18 शामिल हैं, ने वित्त वर्ष 2025-26 में दर्शक संख्या और जुड़ाव के मामले में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। इस अवधि में परिचालन आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 34,917 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 17,762 करोड़ रुपये थी। यह वित्तीय वृद्धि एआई-संचालित नवाचारों के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है।

वैश्विक तनाव से श्रीलंका में ईंधन फिर महंगा

तीन महीनों में पांचवीं बार बढ़े दाम, पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें लागू

कोलंबो ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं का सीधा असर श्रीलंका पर पड़ा है। देश में पेट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है, जो पिछले तीन महीनों में पांचवीं वृद्धि है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने नई दरों की घोषणा की, जो श निवार आधी रात से प्रभावी हो गई हैं।

नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 24 रुपये महंगा होकर 434 रुपये प्रति लीटर और डीजल 15 रुपये बढ़कर 407 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मिट्टी के तेल की कीमत में भी 20 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है, जिससे यह 285 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने जनता से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। उनका कहना है कि

पश्चिम एशिया के तनाव के कारण देश पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के अंत में 293 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पेट्रोल अब 434 रुपये पर पहुंच गया है। इस बीच श्रीलंकाई रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है, जिससे देश की आर्थिक चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

इरेडा का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर 492.63 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 1.77 प्रतिशत घटकर 492.63 करोड़ रुपये रहा।वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का मुनाफा 501.55 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,181.28 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,915 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,562.14 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,285.91 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में इरेडा का मुनाफा बढ़कर 1,874 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 1,698 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 8,338.89 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,755.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने एक अलग बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक वार्षिक लाभ दर्ज किया है। इरेडा के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 0.75 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। इस प्रकार अंतरिम लाभांश के रूप में दिए गए 0.60 रुपये प्रति शेयर सहित कुल लाभांश 1.35 रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की ऋण स्वीकृतियां नौ प्रतिशत बढ़कर 51,883 करोड़ रुपये हो गईं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 47,453 करोड़ रुपये थीं। वहीं ऋण वितरण 16 प्रतिशत बढ़कर 34,946 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले 30,169 करोड़ रुपये था।

एनएसई ने बढ़ाया ट्रेडिंग का समय, अब 3:40 बजे तक खुलेगा बाजार

क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम से तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया कदम

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के ट्रेडिंग समय को 10 मिनट बढ़ा दिया है। अब डेरिवेटिव्स मार्केट शाम 3:40 बजे तक खुला रहेगा, जो पहले 3:30 बजे बंद होता था। यह कदम कैश मार्केट में हाल ही में शुरू हुए क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) के साथ तालमेल बिठाने और बाजार को अधिक दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस बदलाव के तहत, जहां ट्रेडिंग की टाइमिंग में वृद्धि की गई है, वहीं डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट के क्लोजिंग प्राइस तय करने के तरीके में भी आंशिक बदलाव किया गया है। अब क्लोजिंग प्राइस की गणना के लिए उपयोग होने वाला वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस शाम 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच हुए सौदों के आधार पर तय होगा। हालांकि, प्री-ओपन सेशन और ट्रेड मॉडिफिकेशन विंडो के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनएसई ने अपने सर्कुलर में बताया कि यह निर्णय क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) को पूरी तरह से लागू करने का एक

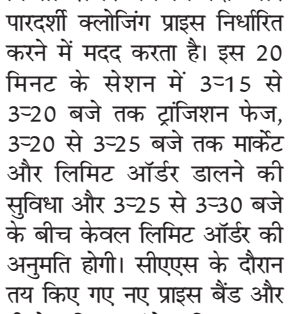

हिस्सा है। सीएएस एक विशेष ट्रेडिंग सेशन है जो दिन के अंत में किसी शेयर का निष्पक्ष और पारदर्शी क्लोजिंग प्राइस निर्धारित करने में मदद करता है। इस 20 मिनट के सेशन में 3:15 से 3:20 बजे तक ट्रांजिशन फेज, 3:20 से 3:25 बजे तक मार्केट और लिमिट ऑर्डर डालने की सुविधा और 3:25 से 3:30 बजे के बीच केवल लिमिट ऑर्डर की अनुमति होगी। सीएएस के दौरान तय किए गए नए प्राइस बैंड और प्री-ट्रेड रिस्क कंट्रोल नियम अब डेरिवेटिव्स सेगमेंट पर भी लागू होंगे। ब्रोकरों और ट्रेडिंग सदस्यों को सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपने ट्रेडिंग एप्लीकेशन्स में आवश्यक अपडेट करने की सलाह दी गई है। एनएसई ने यह भी जानकारी दी है कि इस बदलाव से होने वाले कार्यात्मक परिवर्तनों का परीक्षण आगामी मॉक ट्रेडिंग सत्रों के दौरान किया जाएगा, ताकि प्रभावी तिथि से पहले सभी प्रणालियां तैयार हों। यह कदम भारतीय शेयर बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता को और मजबूत करेगा।

एडब्ल्यूएल अब मधुर ब्रांड नाम से बेचेगी चीनी

फॉर्च्यून का चीनी बाजार में प्रवेश; श्री रेणुका शुगर्स के साथ रणनीतिक समझौता

नई दिल्ली ।

खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (एडब्ल्यूएल) ने अब चीनी बाजार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। कंपनी ने इसके लिए देश की बड़ी चीनी कंपनियों में से एक श्री रेणुका शुगर्स के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इस करार के तहत एडब्ल्यूएल अब श्री रेणुका शुगर्स के लोकप्रिय और स्थापित ब्रांड 'मधुर' के नाम से चीनी का विपणन करेगी। शेयर बाजारों को को दी गई नियामकीय सूचना के अनुसार, एडब्ल्यूएल एग्री ने पैकेज्ड फूड कारोबार में अपनी बाजार पहुंच को मजबूत करने और वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाली एडब्ल्यूएल इस समझौते के माध्यम से अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

इस व्यवस्था के तहत श्री रेणुका

शुगर्स अपने प्रमुख चीनी ब्रांड मधुर का लाइसेंस एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस को देगी, जिससे फॉर्च्यून की मजबूत वितरण प्रणाली का लाभ मधुर ब्रांड को भी मिल सकेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए लाभकारी मानी जा रही है।

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर, मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे, कभी भी स्थिर नही रहे। जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों– लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ, वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे, वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ, वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे, वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास –क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके –

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म–पुराण के 56–6–7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है–

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि– हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा–अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ– गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं– पृथ्वी पर लाखों जन्म–जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि–मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन–पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को– जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी– पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10–10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1–1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण– एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा–हमेशा के लिये गोकुल–वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप–गोपिकाओं के साथ गौकुल–वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

कुछ आसान और

अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन–समृद्धि की वृद्धि के लिये – जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं।
- मुकद्दमा जीतने के लिये – पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना।
- पुत्र प्राप्ति के लिये – प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिय। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने हार का कारण मध्यक्रम के विफल होने को माना है। उन्होंने माना कि यदि बल्लेबाज एक दो रन लेते रहती हो परिणाम कुछ और होता। इस हार के साथ ही तीन मैचों की ञ20 सीरीज में अब दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी प आ गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा, जो सीरीज विजेता का फैसला करेगा।

सात्विक-चिराग ने जीता सिंगापुर ओपन का खिताब, रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने रविवार को पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां BWF विश्व टूर खिताब है।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे।

सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया।

यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईढ्ढ) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान. वैभव सूर्यवंशी का शानदार आगाज

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। यही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

भारतीय महिला टीम ने अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया

काकामिगहारा । भारतीय भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां जापान के काकामिगहारा में खेले जा रहे महिलाओं के अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की ये टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने मलेशिया को भी हराया था। भारत की ओर से नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने एक-एक गोल किया। वहीं कोरया की आर से एकमात्र गोल ग्योंगमिन रयू ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। चौथे मिनट में नौशीन ने एक पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस शुरुआती बढ़त के बाद भारतीय टीम ने लगातार दबाव बनाये रखा। दूसरे क्वार्टर के 21वें मिनट में श्रुति कुमारी के एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2-0 से आगे कर दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक भारतीय टीम बढ़त बनाये हुए थी।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लॉगर नहीं अद्भुत खिलाड़ी

टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शॉट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लॉगर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान हैं। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हें अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय हो गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शॉट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लॉगर नहीं कह सकते हैं। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत में ही पकड़ लेते हैं। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े-बड़े छक्के लगा लेते हैं। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फॉर्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए। उनके अनुसार ऐसा फैसला उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, जिससे खिलाड़ी बिना किसी अनावश्यक बोझ के अपने खेल पर ध्यान दे सकें। सचिन ने ऐसे ही उनकी तरीफ नहीं की है बल्कि वैभव ने अपने को साबित भी किया है। आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें पांच शानदार अर्धशतक और एकशतक शामिल है। क्वाली फायर मैच में इस 15 साल के क्रिकेटर ने 97 और 96 रनों की आक्रामक पारियां खेलकर अपने को साबित किया।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

-नये गेंदबाजों का हौंसला बढ़ाने की भी थी जिम्मेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्यक्रम में एक बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी साझेदारियां बनाने पर भी रही हैं। उनका ध्यान स्ट्राइक बदलते रहने और यशस्वी जायसवाल तथा वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मदद करने पर रहता है, जिससे टीम के लिए बड़ी साझेदारियां बनती रहे हैं।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो । इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी। टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है - चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

तीन देशों की सीरीज के लिए रियान की जगह पर ऋतुराज भारत ए टीम में शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि रियान पराग चोटिल होने के कारण भारत ए टीम से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह पर ऋतुराज गायकवाड़ को श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। पराग हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। उन्हें पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के लिए लगभग तीन महीने का समय लगेगा। बीसीसीआई ने कहा है कि पराग के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा की जाएगी, जिससे वे पूरी तरह फिट होकर वापसी कर सकें। उनकी अनुपस्थिति में ऋतुराज को अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिला है। भारत ए टीम, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के साथ ही तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज 9 जून से श्रीलंका में खेलेगी। इससे युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक अच्छ अवसर मिलेगा। इस तरह की सीरीज से भविष्य के युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। बीसीसीआई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम में ऋतुराज को शामिल किया है। उन्होंने उप-कप्तान रियान पराग की जगह ली है जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। रिलीज में आगे कहा गया, रियान के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा की जाएगी। गायकवाड़ को टीम का उप-कप्तान भी नियुक्त किया गया है, जो इस टूर्नामेंट में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम इस प्रकार है-तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

-सोशल मीडिया में समर्थन में उतरे लोग, बढ़ाया हौंसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौंसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है। लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी। इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया। विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा। उनका यह संकल्प कि मैं फिर वापस आऊंगी सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि एक महिला पहलवान के आत्मबल का प्रतीक बन गया है, जो हर चुनौती से लड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचने को तैयार है।

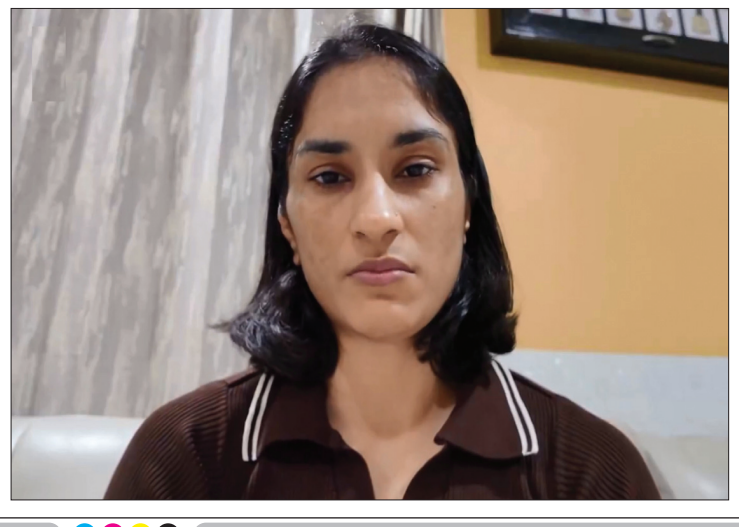

यौन शोषण मामले में क्रिकेट कोच को 16 साल की सजा, 24,000 रुपये जुर्माना भी लगा

तिरुवनंतपुरम । तिरुवनंतपुरम की एक विशेष फास्ट-ट्रैक अदालत ने नाबालिग छात्रा के यौन शोषण मामले में दोषी पाये गये क्रिकेट कोच मनु एम को 16 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वल्लाकडावु निवासी मनु एम पर आरोप था कि उसने क्रिकेट कोचिंग के दौरान कई छात्राओं का यौन शोषण किया। इस मामले में अदालत ने उसे दोषी पाते हुए सजा सुनाने के साथ ही 24,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। फैसले में कहा गया है कि यदि दोषी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त ढाई साल की जेल की सजा भुगतनी होगी। यह मामला तिरुवनंतपुरम के एक प्रतिष्ठित क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ा है, जहाँ कई छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ सामने आईं, जिससे पूरे खेल जगत में हड़कंप मच गया। जांच में पाया गया कि आरोपी कोच विशेष फिटनेस और प्रशिक्षण के बहाने छात्राओं को अकादमी के जिम में ले जाता था और वहीं उनका यौन शोषण करता था। उसकी यह हरकतें यहीं तक सीमित नहीं थीं; उसने कुछ छात्राओं से आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने की भी मांग की थी। छात्राओं द्वारा उसकी अनुचित मांगों को इनकार करने पर, वह उन्हें उचित क्रिकेट प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने से कतराता था, जिसके कारण उन्हें भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। लगातार हो रहे उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार के कारण कई छात्राओं को मजबूरन अकादमी को छोड़ना पड़ा था।

रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए।

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।' अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।'

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।'

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।'

शरवरी वाघ ने इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।'' शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी

के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए। इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आईं कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है? इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे।

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को बताया शक्तिमान के लिए परफेक्ट

अल्लू अर्जुन के शक्तिमान का रोल करने की चर्चाएं इसलिए भी उठती रहती हैं, क्योंकि मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को इसके लिए सबसे उपयुक्त बताया था। जबकि मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह का शक्तिमान के तौर पर खुला विरोध किया था। साल 2024 में मुकेश खन्ना ने कहा था, 'मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान बन सकते हैं।

मेरी जिंदगी का मंत्र है ऑथेंसिटी इज पावर और मैं ऑथेंटिक ही रहना चाहती हूं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गईं ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूट के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में गिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है। फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोंक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

पैप कल्चर को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है- विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

संक्षिप्त समाचार

काला सागर में तुर्किये के मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला, अंकारा ने दी तनाव बढ़ने की चेतावनी

इस्तांबुल, एजेंसी। काला सागर में तुर्किये के एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ है। इस घटना के कुछ घंटों बाद तुर्किये ने शुक्रवार को युद्ध में शामिल सभी पक्षों को कड़ी चेतावनी दी है। तुर्किये ने कहा है कि सभी पक्ष ऐसे कदम उठाने से बचें जिससे तनाव अनियंत्रित होकर गंभीर रूप से बढ़ जाए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि वानुअतु के झंडे वाला एक जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से सूखा माल लेकर तुर्किये आ रहा था। 28 मई की रात एक मानव रहित विमान (ड्रोन) ने इस जहाज पर हमला कर दिया। इस हमले में चालक दल के दो तुर्किये नागरिक मामूली रूप से घायल हुए हैं। ओडेसा में तुर्किये का दूतावास घायल नागरिकों की हालत पर लगातार नजर रख रहा है। मंत्रालय ने कहा कि काला सागर में युद्ध की वजह से बढ़ते खतरों को लेकर वह बहुत चिंतित है। तुर्किये ने सभी संबंधित पक्षों को अपनी चिंताओं और चेतावनियों से अवगत करा दिया है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि काला सागर में आम नागरिकों के जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। तुर्किये ने बातचीत के जरिए लड़ाई खत्म करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। तुर्किये ने यह भी कहा कि वह शांति प्रक्रिया को तेज करने और लड़ाई को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने को तैयार है। इसी बीच, रोमानिया से भी एक बड़ी खबर आई है। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक रूसी ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र में घुस गया। यह ड्रोन एक रिहायशी इमारत से टकरा गया, जिससे वहां आग लग गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोमानियाई मंत्रालय के अनुसार, रूस ने रोमानिया की नदी सीमा के पास यूक्रेन के ठिकानों पर फिर से ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। इन घटनाओं ने पूरे इलाके में सुरक्षा को लेकर जोखिम बढ़ा दिया है। तुर्किये ने साफ किया है कि वह स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

अमेरिका में महंगाई दर 3.8% : पिछले तीन वर्ष में सबसे अधिक, खाने-पीने की बढ़ती कीमत से खर्च की क्षमता प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महंगाई (मुद्रास्फीति) दर अप्रैल में बढ़कर 3.8 फीसदी पहुंच गई। यह पिछले तीन वर्षों का सबसे उच्च स्तर है। यह वृद्धि ईंधन और खाने-पीने की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल के कारण हुई है। यह संकेत है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव अमेरिकी लोगों की भी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल में महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 3.8 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.5 प्रतिशत थी। यह मई 2023 के बाद का सबसे उच्च स्तर है। मासिक आधार पर कीमतों में 0.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, हालांकि मार्च में यह बढ़ोतरी 0.7 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया कि गैस के अलावा कई अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ी हैं। इससे संकेत मिलता है कि महंगाई लंबे समय तक बनी रह सकती है और इस साल होने वाले मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन नेताओं के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। महंगाई अभी भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2 फीसदी तय लक्ष्य से काफी ऊपर है। इसका अर्थ है कि फेडरल रिजर्व इस साल ब्याज दरों में कटौती करने से बच सकता है। कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया है कि अगला कदम ब्याज दरों में कटौती की बजाय बढ़ोतरी भी हो सकता है।

कोई देश नहीं थोप सकता अपना वर्चस्व' :अमेरिका की चीन को दो टूक, पीट हेगसेथ ने भारत को बताया ताकतवर देश

सिंगापुर, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता है, जो उसे उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने में सक्षम बनाती है। हेगसेथ ने सिंगापुर में शांगरी-ला संवाद के दौरान प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत खास तौर से हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए हुए है। शांगरी-ला संवाद में बोलते हुए उन्होंने जिक्र किया कि भारत उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने के लिए भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता का निर्माण भी कर रहा है। हेगसेथ ने कहा, 'हमने क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की भी प्रतिबद्धता जताई है।' उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने रक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विनिर्माण के विस्तार की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा-संबंधी संबंधों का भी आकलन किया। हेगसेथ ने क्षेत्र में अमेरिका की रक्षा रणनीति पर कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एशिया-प्रशांत दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र की सुरक्षा असंतुलित रूप से अमेरिकी सैन्य शक्ति पर टिकी हुई है। उन्होंने देशों से अपनी रक्षा में गंभीरता से निवेश करने का आह्वान किया।

बातचीत और बमबारी साथ-साथ: दशकों बाद इस्राइल-लेबनान की सीधी सैन्य वार्ता, पेंटागन में शांति प्रयासों पर चर्चा

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष के बीच शुक्रवार को इस्राइली सैनिक दक्षिणी लेबनान के दिब्बीन गांव में दाखिल हो गए। इससे उनका अभियान देश के भीतर और आगे बढ़ गया। इसी दौरान इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पांच लोगों की मौत देइर कानौन अल नहर और अब्बासियेह गांवों पर हुए हवाई हमले में हुई, जबकि एब्बा गांव में एक नगरपालिका पुलिसकर्मी की जान चली गई। उधर, वॉशिंगटन स्थित पेंटागन में लेबनान और इस्राइल के सैन्य अधिकारियों के बीच दशकों बाद पहली प्रत्यक्ष सैन्य वार्ता हुई। छह सदस्यीय लेबनानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने इस्राइली अधिकारियों से मुलाकात की। पेंटागन ने वार्ता को सकारात्मक बताया और कहा कि इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा व स्थिरता के लिए व्यावहारिक ढांचे तैयार करने पर चर्चा हुई। वार्ता के निष्कर्ष अगले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा राजनीतिक नेताओं के साथ होने वाली बातचीत का आधार बनेंगे।

लेबनान ने क्या मांग रखी : लेबनानी प्रतिनिधिमंडल ने संघर्षविराम को व्यापक रूप से लागू करने और 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम की

निगरानी करने वाली समिति को फिर से सक्रिय करने की मांग रखी। लेबनानी अधिकारियों ने यह भी कहा कि संघर्षविराम के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद सीमा पर लेबनानी सेना की तैनाती और दक्षिणी लेबनान से इस्राइली सैनिकों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत में कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर आगे बढ़ने से पहले संघर्षविराम का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बीच इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों के लिए निकासी चेतावनी जारी की, जिसके बाद सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाना पड़ा।

दक्षिणी लेबनान में संघर्ष जारी : दक्षिणी लेबनान में योहमोर और जवतर अल-शर्कियेह गांवों के आसपास इस्राइली सेना और हिजबुल्लाह लड़ाकों के बीच झड़पें जारी रहीं। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने योहमोर के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। ये गांव ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले के पास स्थित हैं, जो इजरायल-लेबनान सीमा से करीब 15 किलोमीटर दूर है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्तरी मोर्चे का दौरा करते हुए कहा कि उनकी सेना लितानी नदी पार कर रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित कर चुकी है और हिजबुल्लाह को करारा झटका दे रही है। उन्होंने कहा कि इस्राइल बेरूत, बेका घाटी और पूरे मोर्चे पर अभियान चला रहा है।

अमेरिका-ईरान में युद्धविराम को बढ़ाने पर चर्चा : इस बीच अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों के बीच गुरुवार को युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने को लेकर एक प्रारंभिक सहमति बनने की खबर सामने आई। हालांकि ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी एक संभावित समझौते की बात कही, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे मंजूरी देंगे या नहीं।

हिजबुल्लाह सांसद ने क्या कहा : हिजबुल्लाह सांसद हसन फदलल्लाह ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है तो लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई रुक सकती है। मार्च में शुरू हुए ताजा इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष में अब तक लेबनान में 3,200 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

चीन की सीक्रेट एजेंट निकलीं पूर्व अमेरिकी मेयर: अदालत में कबूला गुनाह, 10 साल के लिए जाएंगी जेल!

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया से एक चौंकाने वाली खबर आई है। अर्कांडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने अदालत में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उन पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिकी सरकार को बिना बताए चीन के एजेंट के रूप में काम किया। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं। अमेरिकी कानून के मुताबिक ऐसा करने से पहले सरकार को सूचना देना जरूरी है।

मंगेतर के साथ मिलकर चलाया प्रोपेगैंडा : संघीय वकीलों के मुताबिक यह पूरा मामला साल 2020 से 2022 के बीच का है। वांग और उनके तत्कालीन मंगेतर याओनिंग 'माइक' सन ने चीनी अधिकारियों के लिए काम किया। दोनों मिलकर 'यूएस न्यूज सेंटर' नाम की वेबसाइट चलाते थे। इस वेबसाइट के जरिए वे चीन का प्रचार करते थे। जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग को एक लिंक भेजा था। यह लॉस एंजेलिस टाइम्स में छपा एक पत्र था। इसमें शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों को झूठा बताया गया था। वांग ने कुछ ही मिनटों में इसे अपनी वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया था।

कार्रवाई में क्यों हुई देरी : एलीन वांग नवंबर 2022 में अर्कांडिया की सिटी काउंसिल में चुनी गई थीं। इसके बाद वे मेयर बनीं। जब उनके खिलाफ एफबीआई की जांच शुरू हुई, तो लोगों ने इस्तीफे की मांग की। लेकिन कार्यवाहक मेयर पॉल चेंग ने कहा कि उनके हाथ कानून से बंधे थे। शहर के नियमों के मुताबिक किसी को दोषी साबित होने से पहले पद से नहीं हटाया जा सकता था। एलीन वांग ने इस महीने की शुरुआत में खुद ही इस्तीफा दे दिया था। लॉस एंजेलिस की अदालत में जज वेस्ली ह्सू के सामने वांग ने अपना दोष स्वीकार किया। सुनवाई के दौरान एक चीनी दुभाषिया भी मौजूद था। वांग के वकीलों का कहना है कि उनका यह रिश्ता 2024 में खत्म हो चुका है। वांग ने कहा कि उन्होंने गलत इंसान पर भरोसा किया, जिसने उन्हें भटका दिया। उनके पूर्व मंगेतर माइक सन को पिछले साल अक्टूबर में ही चार साल की जेल हो चुकी है।

रूस ने आर्मेनिया को दी धमकी: कहा- ईयू से बढ़ाई नजदीकियां, तो झेलना होगा निलंबन; पुतिन ने दी यूक्रेन जैसी चेतावनी

मॉस्को, एजेंसी। रूस के नेतृत्व वाले आर्थिक संगठन ने आर्मेनिया को बड़ी चेतावनी दी है। संगठन ने कहा है कि वह आर्मेनिया को बाहर निकाल सकता है। दरअसल, आर्मेनिया अब यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होना चाहता है। रूस के गुट को आर्मेनिया की यह बात पसंद नहीं आ रही है। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में एक बड़ा सम्मेलन हुआ। इस बैठक में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के नेता शामिल हुए। इन सभी नेताओं ने कहा कि आर्मेनिया के इस कदम से हमारी आर्थिक सुरक्षा को भारी खतरा है। इन चारों देशों के नेताओं ने अपने अधिकारियों को एक आदेश दिया है। अधिकारी दिसंबर में एक रिपोर्ट पेश करेंगे। इस रिपोर्ट में देखा जाएगा कि आर्मेनिया को हटाने से क्या असर पड़ेगा। इन नेताओं ने आर्मेनिया से अपने देश में जनमत संग्रह कराने को भी कहा है। वे चाहते हैं कि आर्मेनिया की जनता खुद चुने कि उन्हें यूरोपीय संघ में जाना है या रूस के आर्थिक गुट में रहना है। हालांकि, आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान इस मांग को पहले ही ठुकरा चुके हैं।

चुनाव से ठीक पहले बढ़ा विवाद : यह सारा विवाद आर्मेनिया के संसदीय चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ है। आर्मेनिया में सात जून को वोट डाले जाएंगे। निकोल पाशिन्यान साल 2018 से प्रधानमंत्री हैं। वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले साल अमेरिका ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच दशकों पुराना झगड़ा खत्म कराया था। इसके बाद से आर्मेनिया लगातार अमेरिका और यूरोपीय संघ के करीब जा रहा है। पाशिन्यान सरकार ने रूस के सैन्य संगठन में भी शामिल होना बंद कर दिया है। आर्मेनिया का पश्चिम की तरफ झुकाव रूस को नाराज कर रहा है।

पुतिन ने दी बड़ी आर्थिक तबाही की धमकी : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्मेनिया को साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश एक साथ दोनों संगठनों का हिस्सा नहीं रह सकता। पुतिन के मुताबिक, अगर आर्मेनिया इस गुट से बाहर गया तो उसे अपनी जीडीपी का 14 प्रतिशत नुकसान होगा। रूस ने आर्मेनिया पर दबाव बनाना भी शुरू कर दिया है। रूस ने आर्मेनिया की ब्रांडी, फलों और सब्जियों के आयात पर रोक लगा दी है।

अमेरिकी प्रतिबंधों पर ईरान का पलटवार, बोला- होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं पा सकेगा यूएस

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान की नई समुद्री प्रबंधन संस्था फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण (पीजीएसए) ने उस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। संस्था ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी गतिविधियां बिना किसी रुकावट के जारी रखेगी और गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को आवाजाही की अनुमति देती रहेगी। पीजीएसए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका युद्ध और कूटनीति के जरिए जिस तरह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण हासिल करने में विफल रहा, उसी तरह वह प्रतिबंध लगाकर भी अपने मकसद में सफल नहीं होगा। संस्था ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे उसके कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दरअसल,

अमेरिका ने हाल ही में पीजीएसए पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि ईरान इस संस्था का इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों से कथित तौर पर अवैध शुल्क वसूलने और उससे मिलने वाली आय को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) तक पहुंचाने के लिए कर रहा है। अमेरिकी वित्त विभाग के अनुसार, पीजीएसए को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था। अमेरिका का दावा है कि यह संस्था आईआरजीसी और उसकी नौसेना के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर दबाव बनाने का काम कर रही है। इसी वजह से इसे अमेरिकी प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की यह पहल दिखाती है कि अमेरिकी आर्थिक दबाव के कारण तेहरान को धन जुटाने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के तेल निर्यात और उसके वित्तीय नेटवर्क पर दबाव बनाए रखेगा। वहीं, पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि वह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में जहाजों के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए काम करती रहेगी। संस्था ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने निगरानी क्षेत्र की सीमाएं भी तय की हैं और कहा है कि इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को उसके साथ समन्वय कर आवश्यक अनुमति लेनी होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच इस मुद्दे पर बढ़ता टकराव अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समुद्री व्यापार के लिए अहम माना जा रहा है।

शांगरी-ला डायलॉग: तकनीक से मजबूत होगा हिंद-प्रशांत क्षेत्र, भारत ने डाला प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रकाश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत ने शांगरी-ला संवाद 2026 के दौरान उच्च स्तरीय राजनयिक प्रयासों और अकादमिक सहभागिता के जरिये एक स्थिर व सुरक्षित हिंद-प्रशांत बनाने की बात कही है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक्स पर कहा, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हिंद-प्रशांत सुरक्षा संरचना की मजबूती, रक्षा औद्योगिक सहयोग तथा उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारियों पर अग्रणी थिंक टैंक व शिक्षाविदों से भारतीय रक्षा कूटनीति पर प्रकाश डाला।

रक्षा सचिव ने एक स्थिर, सुरक्षित और समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए भारत की रक्षा कूटनीति विषय पर क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहभागिता के लिए भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। पोस्ट के अनुसार, इस चर्चा में सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले भी उपस्थित थीं, जो इस चर्चा के राजनयिक महत्व को रेखांकित करती है। बातचीत का मुख्य जोर सैन्य-से-सैन्य सहयोग मजबूत करने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने पर रहा। इस बीच, अमेरिकी रक्षा (युद्ध) मंत्री पीट हेगसेथ ने मुख्य भाषण से पहले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीतिक हितों की रक्षा के दूरदर्शी दृष्टिकोण की रूपरेखा स्पष्ट की। उनकी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की यह चौथी यात्रा है।

रणनीतिक जुड़ाव की जरूरत पर जोर : भारत-अमेरिका ने शांगरी-ला संवाद में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा-सुरक्षा सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत ने नाटो सैन्य समिति के अध्यक्ष, नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ भी बातचीत की। इस दौरान, रक्षा सचिव राजेश सिंह ने अमेरिका के इंडोपेकॉम के कमांडर, एडमिरल सैमुअल जे. पपरो के साथ चर्चा की। उन्होंने नाटो के साथ निरंतर रणनीतिक जुड़ाव बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

सुरक्षा चुनौतियों में बदलावों पर चर्चा : रक्षा सचिव ने नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ वैश्विक-क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजेश सिंह की वार्ता का केंद्र रणनीतिक संवाद बढ़ाने और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर विचारों का आदान-प्रदान करना था। उन्होंने प्रमुख बहुपक्षीय रक्षा संगठनों के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखना जरूरी बताया। दोनों पक्षों ने उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रमुख थिंक टैंक और शिक्षाविदों से भी चर्चा की।

राजनयिक संबंध गहरे करेंगे: ऑस्ट्रेलिया : संवाद के दौरान ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने कहा, हम सहयोग को मजबूत करने के लिए राजनयिक और रक्षा संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह शांगरी-ला संवाद एशिया का प्रमुख रक्षा-सुरक्षा शिखर सम्मेलन माना जाता है, जहां एशिया-प्रशांत, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के रक्षा मंत्रियों, सैन्य प्रमुखों, नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और सुरक्षा विशेषज्ञों को क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए जुटते हैं।

ट्रंप-शी मुलाकात के बाद बढ़ा तनाव: अमेरिकी पत्रकार को चीन ने देश से निकाला, अब रूस ने ऐसे लिया बदला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच विवाद बहुत ज्यादा बढ़ गया है। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के ठीक बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के पत्रकारों पर कार्रवाई की है। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में काम कर रहे चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के एक पत्रकार का वीजा रद्द कर दिया है।

अमेरिका ने यह कदम चीन के फैसले के जवाब में उठाया है। दरअसल, चीन ने कुछ दिनों पहले 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की महिला पत्रकार विवियन वांग को अपने देश से निकाल दिया था। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर वीजा रद्द होने की पुष्टि की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने भी माना कि सरकार की ऐसी योजना थी।

ताइवान के मुद्दे पर चीन का गुस्सा : इस पूरे विवाद की असली वजह ताइवान से जुड़ा एक कार्यक्रम है। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के 'डीलबुक समिट 2025' में ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते का एक रिकॉर्डेड इंटरव्यू दिखाया गया था। इस शो के होस्ट एंड्रयू रॉस सोर्किन थे। सोर्किन ने इंटरव्यू के दौरान ताइवान को एक देश कह दिया था। इस बातचीत में लाई चिंग-ते ने ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के आक्रामक रवैये की आलोचना की थी। उन्होंने अपने देश की रक्षा करने का संकल्प भी लिया था। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। इसी नाराजगी में

चीन ने पत्रकार विवियन वांग को देश छोड़ने का आदेश दे दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे कार्यक्रम में विवियन वांग की कोई भूमिका नहीं थी।

चीन में मिली थी सीधे टकराव की चेतावनी : यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब मध्य मई में राष्ट्रपति ट्रंप ने बीजिंग का दौरा किया था। उस शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने साफ तौर पर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तो चीन और अमेरिका के बीच सीधा टकराव हो सकता है।

चीन में लगातार सिमट रहा है विदेशी मीडिया : विदेशी पत्रकारों के संघ के अनुसार, साल 2020 से ही दोनों देशों के बीच पत्रकारों को लेकर खींचतान चल रही है। चीन लगातार अमेरिकी पत्रकारों के वीजा की अवधि घटा रहा है। अब उन्हें केवल एक से तीन महीने का वीजा मिल रहा है। इसके चलते चीन में अमेरिकी मीडिया घरानों के दफ्तरों में अब नाम मात्र के कर्मचारी बचे हैं। चीन के इस सख्त रवैये से अब दूसरे पश्चिमी मीडिया संगठन भी डरे हुए हैं। उन्हें डर है कि ताइवान के नेताओं का इंटरव्यू करने पर उन्हें भी चीन से बाहर निकाला जा सकता है।

ईरान से डील को लेकर दुविधा में ट्रंप: परमाणु और होर्मुज संकट पर टली बड़ी घोषणा, अंतिम फैसले का अब भी इंतजार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बड़ी बैठक की। यह बैठक सिचुएशन रूम में हुई। इसमें ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ चर्चा की। इस बैठक में ईरान के साथ चल रहे तनाव पर बात हुई। दो घंटे की इस बातचीत के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। दोनों देशों के बीच युद्धविराम बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। इसके साथ ही होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर भी चर्चा हो रही है। ईरान ने कहा है कि यह सौदा अभी पक्का नहीं हुआ है।

इस बैठक से पहले ट्रंप ने एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में अंतिम फैसला लेना चाहते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बैठक की जानकारी दी। उन्होंने समाचार एजेंसी एपी को नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ट्रंप अपनी शर्तों पर ही समझौता करेंगे। वह ईरान के परमाणु मंसूबों को रोकना चाहते हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा कि ईरान को यह मानना होगा कि वह कभी परमाणु बम नहीं बनाएगा। ईरान के पास अभी 440.9 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम का भंडार है। यह 60 प्रतिशत तक शुद्ध है। परमाणु हथियार बनाने के लिए 90 प्रतिशत शुद्धता चाहिए होती है। ट्रंप चाहते हैं कि इस सामग्री को जमीन से खोदकर निकाला जाए। फिर इसे पूरी तरह नष्ट कर दिया जाए।

होर्मुज जलमार्ग का संकट : नए समझौते में होर्मुज जलमार्ग को खोलना सबसे बड़ी शर्त है। यह दुनिया का एक

बहुत ही महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। ईरान को 30 दिनों के भीतर यहां से सभी समुद्री बारूदी सुरंगे हटानी होंगी। ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टैक्स नहीं लगा पाएगा। इसके बदले में अमेरिका ईरान के बंदरगाहों से नाकेबंदी हटाएगा। अमेरिका प्रतिबंधों में भी ढील देगा ताकि ईरान अपना तेल बेच सके। इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एक अचानक हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता और अन्य अधिकारी मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इस रास्ते को बंद कर दिया था। पहले यहां से रोज 100 से ज्यादा जहाज़ निकलते थे। अब सिर्फ दो दर्जन जहाज ही निकल पाते हैं। ईरान ने यहां टैक्स वसूलने के लिए एक नई एजेंसी बनाई है। इस वजह से अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने ओमान को भी इस मामले में दूर रहने की चेतावनी दी है।

दोनों पक्षों में अविश्वास : ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालीबाफ ने अमेरिका पर भरोसा करने से इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम बातचीत से नहीं बल्कि मिसाइलों से रियायतें हासिल करते हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि उनका ध्यान अभी सिर्फ युद्ध खत्म करने पर है। वे परमाणु योजना पर बात नहीं कर रहे हैं। ईरान चाहता है कि लेबनान में हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच भी लड़ाई रुके। इसके साथ ही ईरान अपनी फ्रीज की गई अरबों डॉलर की रकम भी वापस चाहता है। ईरान की संसद के एक वरिष्ठ नेता इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा कि हम कैश के बदले कैश की नीति पर ही काम करेंगे। फिलहाल दोनों देशों के बीच सात हफ्तों से युद्धविराम जारी है। दोनों तरफ से छोटे-मोटे हमले और आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। लेकिन फिर भी दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर बने हुए हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.